पौष शुक्ल - 12 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 167 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 11-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बार-बार चुनाव प्रगति में बाधा डालते हैं : शिवराज

6 जहां स्वामी विवेकानन्द को मिली थी वैश्विक पहचान

7 जिन निर्देशकों के साथ काम किया, उनके प्रति मेरे मन में बहुत समान और प्यार : कंगना

फर्स्ट टेक

सरकार ने जीएसटीआर-1 दाखिल करने की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली/भाषा। करदाताओं द्वारा जीएसटीएन प्रणाली में तकनीकी गड़बड़ियों की सूचना दिए जाने के बाद सरकार ने शुक्रवार को मासिक जीएसटी बिक्री रिटर्न फॉर्म जीएसटीआर-1 और जीएसटी भुगतान दाखिल करने की समय सीमा दो दिन बढ़ा दी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की अधिसूचना के अनुसार, दिसंबर के लिए जीएसटीआर-1 दाखिल करने की अंतिम तिथि 13 जनवरी है, जबकि अक्टूबर-दिसंबर अवधि के लिए क्यूआरएमपी (मासिक भुगतान के साथ तिमाही रिटर्न) योजना के तहत तिमाही भुगतान का विकल्प चुनने वाले करदाताओं के लिए यह तिथि 15 जनवरी होगी। आम तौर पर, मासिक रिटर्न दाखिल करने वालों के लिए जीएसटीआर-1 दाखिल करने की अंतिम तिथि 11 जनवरी है, जबकि तिमाही करदाताओं के लिए यह 13 जनवरी है। दिसंबर के लिए जीएसटीआर-3बी दाखिल करके जीएसटी भुगतान की समय सीमा मौजूदा 20 जनवरी से बढ़ाकर 22 जनवरी कर दी गई है। तिमाही आधार पर जीएसटी का भुगतान करने वाले करदाताओं के लिए देय तिथि को व्यवसाय के राज्य-वार पंजीकरण के आधार पर 24 जनवरी और 26 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है।

महाकुम्भ को समर्पित 'कुम्भवाणी' एफएम चैनल शुरू

महाकुम्भ नगर/भाषा। सार्वजनिक प्रसारक प्रसार भारती के रेडियो प्रभाग आकाशवाणी ने शुक्रवार को महाकुम्भ 2025 से संबंधित सूचनाओं के प्रसार के लिए समर्पित एक एफएम चैनल 'कुम्भवाणी' शुरू किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विशाल धार्मिक समागम से पहले, अपने प्रयागराज दौरे के दूसरे दिन सर्किट हाउस में एफएम चैनल का उद्घाटन किया। उप्र सरकार ने बयान में कहा, ''प्रसार भारती ने महाकुम्भ के बारे में व्यापक जानकारी प्रसारित करने के लिए ओटीटी-आधारित कुम्भवाणी एफएम चैनल लॉन्च किया है। 103.5 मेगाहर्ट्ज की आवृत्ति पर प्रसारण करने वाला यह चैनल 10 जनवरी से 26 फरवरी तक रोजाना सुबह 5.55 बजे से रात 10.05 बजे तक आवश्यक एवं महत्वपूर्ण जानकारियों का प्रसारण करेगा।'' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वास व्यक्त किया कि 'कुम्भवाणी' न केवल लोकप्रियता की नई ऊंचाइयों को छुएगा, बल्कि महाकुम्भ की भावना को दूरदराज के गांवों तक भी पहुंचाएगा, जहां कई लोग अपनी इच्छा के बावजूद शारीरिक रूप से इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाते हैं।

सूर्यास्त 11-01-2025 5:59 बजे | सूर्योदय 12-01-2025 6:34 बजे

BSE	NSE
77,378.91	23,440.00
(-241.30)	(-86.50)

सोना	चांदी
8,014 रु.	100,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आओ सोचें नया

छोड़ें बीते कल की बातें,
हम लिखें नया इतिहास आज।
सबसे पहले हो राष्ट्रधर्म,
हों जाति मुक्त सारे समाज।
हो राजनीति भी दल विहीन,
गुणियों-सच्चों को मिले राज।
हर मन में हो सौहार्दभाव,
हर योग्य व्यक्ति को मिले काज।।

देश का अभिन्न अंग हैं प्रवासी : मुर्मू

विकसित भारत के लक्ष्य में होगी महत्वपूर्ण भूमिका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि प्रवासी भारतीय देश की सर्वश्रेष्ठ पहचान और राष्ट्र का अभिन्न अंग हैं तथा 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

उन्होंने यहां तीन दिवसीय 18वें प्रवासी भारतीय दिवस 2025 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, ''विकसित भारत एक राष्ट्रीय मिशन है, जिसमें विदेशों में रहने वाले लोगों सहित प्रत्येक भारतीय की सक्रिय और उत्साही भागीदारी की आवश्यकता है।''

मुर्मू ने कहा कि प्रवासी समुदाय की वैश्विक उपस्थिति और उनकी उपलब्धियां उन्हें भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने की स्थिति में रखती हैं। उन्होंने कहा, ''भारतीय प्रवासी हमारे देश की सर्वश्रेष्ठता का प्रतिनिधित्व करते हैं और वे अपने साथ न केवल इस पवित्र भूमि में अर्जित ज्ञान और कौशल लेकर गए हैं, बल्कि वे मूल्य और लोकाचार भी लेकर गए हैं जो सहस्राब्दियों से हमारी सभ्यता की नींव रहे हैं।''

राष्ट्रपति ने कहा, ''चाहे वह प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, कला या उद्यमिता का क्षेत्र हो, भारतीय प्रवासियों ने हर जगह अपनी छाप छोड़ी है जिसे विश्व स्वीकार करता है और सम्मान देता है।''

सम्मेलन का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने इसे महज एक आयोजन से कहीं अधिक बताया और कहा, ''यह एक ऐसा मंच है जहां विचारों का संगम होता है, सहयोग स्थापित होता है तथा भारत और उसके प्रवासी समुदाय के बीच संबंध मजबूत होते हैं।''

भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के शाश्वत दर्शन पर उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने के बारे में है जो आर्थिक प्रगति को सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय संरक्षण के साथ संतुलित करता है और साथ ही वैश्विक कल्याण में योगदान देता है। उन्होंने कहा, ''जब भारत अपने प्रवासी भारतीय परिवार की उपलब्धियों का जश्न मना रहा है, तो हमें आशा और दृढ़ संकल्प के साथ भविष्य की ओर भी देखना चाहिए।

'जेरोधा' के सह-संस्थापक निखिल कामथ की मेजबानी में आयोजित एक पॉडकास्ट में मोदी ने कहा

नए विचारों को अपनाने के लिए तैयार, बशर्ते वे 'राष्ट्र प्रथम' की उनकी मूल विचारधारा में फिट हों

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वह पुराने विचारों को त्यागने और नए विचारों को अपनाने के लिए तैयार हैं, बशर्ते कि वे 'राष्ट्र प्रथम' की उनकी मूल विचारधारा में फिट हों।

निवेश की सुविधा देने वाले ऑनलाइन मंच 'जेरोधा' के सह-संस्थापक निखिल कामथ की मेजबानी में आयोजित एक पॉडकास्ट में मोदी ने कहा कि वह अपनी सफलता को इस बात में देखते हैं कि वह कैसी टीम तैयार करते हैं और वह कैसे चतुराई से चीजों को संभालती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा दौर में कई ऐसे युवा नेता हैं, जिनमें क्षमता है, लेकिन वह किसी का नाम नहीं लेंगे, क्योंकि ऐसा करना दूसरों के साथ अन्याय होगा।

जब कामथ ने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने अपने बाद के समय के लिए कोई योजना बनाई है, मसलन उन लोगों को प्रशिक्षित करना, जिन पर उन्हें विश्वास है और वह भी आज के लिए नहीं, बल्कि 20-30 साल बाद के लिए, तो मोदी ने कहा, ''मैं उन लोगों को देख सकता हूं,

जिनमें बहुत अधिक क्षमता है। जब मैं गुजरात में था, तो मैं कहता था कि मैं अगले 20 साल तक टीम के लिए तैयारी करके जाना चाहता हूं। मैं यही कर रहा हूं। मेरी सफलता इस बात में निहित है कि मैं अपनी टीम को कैसे तैयार करता हूं, जो चतुराई से चीजों को संभालने में सक्षम होगी। यही मेरे लिए मेरा बेंचमार्क है।'' उन्होंने कहा कि राजनीति में अच्छे लोग आते रहने चाहिए और वे 'मिशन' लेकर आएं, 'एंबीशन' (महत्वाकांक्षा) लेकर नहीं।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह किसी युवा राजनेता में ऐसी क्षमता देखते हैं, उन्होंने कहा, ''बहुत लोग हैं जी।'' उन्होंने कहा, ''वे दिन-रात मेहनत करते हैं। मिशन मोड में काम करते हैं। मैं नाम लूंगा, तो बाकी के साथ अन्याय हो जाएगा। मेरा दायित्व बनता है मैं किसी के साथ अन्याय ना करूं। मेरे सामने कई नाम हैं, कई चेहरे हैं।''

यह पूछे जाने पर कि क्या कोई ऐसी चीज है, जिसे वह 10-20 साल पहले मानते थे, लेकिन अब नहीं, इसके जवाब में मोदी ने कहा कि वह एक ही विचारधारा में पले-बढ़े हैं और वह है 'राष्ट्र प्रथम'। उन्होंने कहा, ''अगर मेरा एक टैगलाइन है, तो वह है राष्ट्र प्रथम। यह मुझे विचारधारा के बंधनों में बांधता नहीं है, परंपराओं के बंधन में बांधता नहीं है। आगे ले जाने के लिए जो जरूरी होता है, मैं करता हूं। पुरानी चीज छोड़नी है, तो मैं छोड़ने के लिए तैयार हूं। नई चीज स्वीकार करने के लिए तैयार हूं। लेकिन मापदंड एक ही है, तराजू एक ही है और वह है राष्ट्र प्रथम। मैं तराजू नहीं बदलता हूं।''

'गलतियां होती हैं, मैं इंसान हूं, भगवान नहीं'

मोदी ने अपने पहले पॉडकास्ट में प्रधानमंत्री के रूप में अपने अलग-अलग कार्यकाल के बारे में पूछे जाने पर, जीरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामत के साथ एक पॉडकास्ट में, कहा, गलतियां होती हैं, मैं इंसान हूं, भगवान नहीं। उन्होंने कहा, पहले कार्यकाल में, लोग मुझे समझने की कोशिश कर रहे थे और मैं दिल्ली को समझने की कोशिश कर रहा था। दूसरे कार्यकाल में, मैं अतीत के दृष्टिकोण से सोचता था। तीसरे कार्यकाल में, मेरी सोच बदल गयी है, मेरा मनोबल ऊंचा है और मेरे सपने बड़े हो गये हैं। प्रधानमंत्री ने आज यह टिप्पणी कामथ की पॉडकास्ट श्रृंखला 'पीपल बाय डब्ल्यूटीएफ' में अतिथि के रूप में उपस्थित होने के दौरान की। जब उनसे गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके पुराने भाषणों के बारे में पूछा गया, तो प्रधानमंत्री ने जवाब दिया, मैंने कुछ असंवेदनशील तरीके से कहा था। गलतियां होती हैं। मैं इंसान हूं, भगवान नहीं। पॉडकास्ट में मोदी अच्छे लोगों के राजनीति में आने की वकालत की, इस बात पर जोर दिया कि उन्हें महत्वाकांक्षा के साथ नहीं बल्कि एक मिशन के साथ राजनीति में आना चाहिये।

स्पैडेक्स डॉकिंग:

अंतरिक्ष यान 1.5 किमी की दूरी पर कल करीब आएंगे

बेंगलूरु/भाषा। इसरो ने शुक्रवार को कहा कि वह 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट' (स्पैडेक्स) से संबंधित जिन दो उपग्रहों को एक साथ जोड़ने की उम्मीद कर रहा है, वे 1.5 किलोमीटर की दूरी पर हैं और 11 जनवरी को उन्हें काफी करीब लाया जाएगा।

स्पैडेक्स अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग अब तक 7 जनवरी और 9 जनवरी को सार्वजनिक रूप से घोषित दो कार्यक्रमों के दौरान नहीं हो पाया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अंतरिक्षयान 1.5 किमी की दूरी पर हैं और 'होल्ड मोड' पर हैं। कल सुबह तक इनके 500 मीटर की और दूरी तय करने की योजना है।'' यह घोषणा अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा यह साझा किए जाने के एक दिन बाद आई कि उपग्रहों के बीच विचलन पर काबू पा लिया गया है तथा उन्हें एक-दूसरे के करीब लाने के लिए धीमी गति से विचलन पथ पर रखा गया है।

विचलन के कारण 'डॉकिंग' प्रयोग को दूसरी बार स्थगित करना पड़ा था। इसरो ने 30 दिसंबर, 2024 को स्पैडेक्स मिशन का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया था।

भारत के अंतरिक्ष विजन में उद्योगों की अहम भूमिका : इसरो प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित भारत के अंतरिक्ष विजन 2047 को साकार करने में उद्योगों की अहम भूमिका है। इसरो के नामित अध्यक्ष वी नारायणन ने भी यही राय जाहिर की।

द्विवार्षिक राष्ट्रीय एयरोस्पेस विनिर्माण संगोष्ठी (एनएएमएस) के लिए पहले से रिकॉर्ड किए गए अपने उद्घाटन भाषण में सोमनाथ ने कहा कि उद्योगों को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि अंतरिक्ष कार्यक्रम में उनकी भागीदारी काफी बढ़ने वाली है। उन्होंने कहा कि इनमें से एक चुनौती अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए जरूरी रॉकेट, उपग्रह और अन्य प्रणालियों का लगातार विकास एवं उत्पादन होगा, जबकि नये अंतरिक्ष यान व प्रणालियों, लघु इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, बड़े प्रणोदन टैंक और इंजन जैसी वस्तुओं की इंजीनियरिंग, विनिर्माण तथा आपूर्ति दूसरी चुनौती होगी।

इसरो प्रमुख ने कहा, व्यस्त कार्यक्रम के मद्देनजर बड़ी संख्या में इन्हें तैयार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह काम बहुत चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र में अंतरिक्ष क्षेत्र की क्षमता में पर्याप्त वृद्धि नहीं हो रही है। सोमनाथ ने कहा कि निजी क्षेत्र में भले ही विकास हो रहा है, लेकिन विनिर्माण, आपूर्ति और आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन भी बड़ी चुनौती होगा।

संगोष्ठी में नारायणन भी व्यक्तिगत रूप से मौजूद नहीं थे। लिहाजा उनका भी पहले से रिकॉर्ड किया गया भाषण सुनाया गया, जिसमें उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष कार्यक्रम में सामग्री और विनिर्माण टीम की अहम भूमिका है, जिनके बिना उपग्रह और रॉकेट सिर्फ कागज तक सीमित रहेंगे।

वक्फ बोर्ड नहीं भूमाफियाओं का है बोर्ड : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/एजेन्सी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि प्रयागराज की इस धरती पर हजारों वर्ष से कुम्भ का आयोजन होता आ रहा है। इसके बाद भी उसको कोई वक्फ बोर्ड की लैंड बोल दे तो बस यही कहना है कि ये वक्फ बोर्ड है या भूमाफियाओं का बोर्ड है। इस तरह की दुष्प्रवृत्ति पर रोक लगनी ही चाहिए और हम रोक लगाएंगे।

महाकुम्भ मेला क्षेत्र में ऐरावत घाट पर एक निजी चैनल के कार्यक्रम में योगी ने कहा हमने कुछ

संशोधन यहां पर किए हैं कि कोई भी जमीन जिस पर वक्फ ने कब्जा किया है या दावा किया है, 1363 फसली की उसके पूरे रिकॉर्ड को चेक किया जाए। कहीं भी वक्फ शब्द आता है तो पहले उसे देखो की जमीन किसके नाम पर थी और फिर उसको हम वापस दिलाने का काम कर रहे हैं। कहीं भी, किसी भी ऐसी जमीन पर जो सार्वजनिक उपयोग में होगी। हिंदू आस्था से जुड़े पवित्र स्थलों की जमीन होगी या सरकार की होगी, यहां पर इस प्रकार के किसी भी भूमाफिया बोर्ड को कब्जा नहीं करने देंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ये कुम्भ की भूमि है और आने वाले साधु-संतों को कुम्भ के आयोजन के लिए इसी प्रकार से उपलब्ध होती रहेगी। दुनिया भर से आस्थावान लोग प्रयागराज के महाकुंभ में आ रहे हैं और अगर कोई उनकी आस्था और श्रद्धा को ठेस पहुंचाने के लिए ये कहता है कि साहब यह तो वक्फ की जमीन है। उन्होंने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि हजारों वर्षों की भारत की विरासत का प्रतीक आयोजन यहीं पर होता आया है।

'हश मनी' मामला

न्यायाधीश ने ट्रंप को सजा सुनाई, पर दंडित करने से इनकार किया

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पॉर्न स्टार को मुंह बंद रखने के एवज में भुगतान (हश मनी) करने से जुड़े मामले में शुक्रवार को औपचारिक तौर पर सजा सुनाई गई, लेकिन न्यायाधीश ने उनके लिए न तो जेल की सजा का ऐलान किया और न ही कोई जुर्माना या प्रतिबंध लगाया।

फैसले को ट्रंप के लिए बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है और इससे उनके व्हाइट हाउस में बतौर राष्ट्रपति दूसरे कार्यकाल के लिए लौटने का रास्ता भी साफ हो गया है। मैनहट्टन की एक अदालत के न्यायाधीश जुआन एम मर्चन 'हश मनी' मामले में 78 वर्षीय ट्रंप को चार साल की जेल की सजा सुना सकते थे। हालांकि, उन्होंने एक ऐसा फैसला चुना, जिसने मामले का प्रभावी ढंग से निपटारा करते हुए कई संवैधानिक मुद्दों को पनपने से रोक दिया। ट्रंप अमेरिका में राष्ट्रपति पद पर काबिज होने वाले पहले ऐसे व्यक्ति होंगे, जिन्हें किसी आपराधिक मामले में दोषी करार देते हुए औपचारिक सजा सुनाई गई।

पाकिस्तान: बलूचिस्तान में मंत्री और पुलिस अधिकारी के आवास पर उग्रवादी हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची/भाषा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सशस्त्र उग्रवादियों ने एक वरिष्ठ मंत्री और एक उपायुक्त के आवास पर हमला किया और एक पुलिस चौकी पर भी धावा बोला।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सशस्त्र उग्रवादियों ने बृहस्पतिवार देर रात बलूचिस्तान के वित्त एवं खनिज संसाधन मंत्री मीर शोएब नोशेरवानी के पैतृक शहर खारान स्थित आवास पर हथगोले से हमला किया। उन्होंने कहा, हथियारबंद लोग मोटरसाइकिल पर आए और हथगोला फेंकने के बाद भाग गए। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

इसी तरह की एक घटना में उग्रवादियों ने बृहस्पतिवार रात कलात के उपायुक्त के आवास पर हथगोले से हमला किया, जिसमें गेट पर ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस कांस्टेबल घायल हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि तीसरी घटना में सशस्त्र उग्रवादियों ने बृहस्पतिवार रात को मस्तुंग कस्बे में पुलिस चौकी पर हमला किया और घटनास्थल से भागने से पहले आसपास के एक सीमेंट कारखाने की मशीनरी और उपकरणों में आग लगा दी।

एक पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की कि हमला उस समय हुआ जब चेकपोस्ट पर सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी बदली जा रही थी।

राजनाथ ने मौजूदा परिस्थितियों के मद्देनजर वैश्विक समुदाय से एकजुटता का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुनिया में कई तरह के संघर्ष और चुनौतियों के मद्देनजर वैश्विक समुदाय में एकजुटता बढ़ाने का आह्वान किया है। सिंह ने रक्षा मंत्रालय द्वारा फरवरी में आयोजित किये जाने वाले प्रतिष्ठित रक्षा प्रदर्शनी और एयर शो 'एयरो इंडिया 2025' से पहले शुक्रवार को यहां राजदूतों की गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए परस्पर समृद्धि और वैश्विक शांति सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान भू-राजनीतिक तनावों को दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया।

रक्षा मंत्री ने बैठक में आये विभिन्न देशों के राजदूतों और उच्चायुक्तों से कहा, यह सबसे महत्वपूर्ण है कि समान विचारधारा वाले देश शांति और

समृद्धि के लिए सामूहिक कार्रवाई के लिए मिलकर प्रयास करें। इनके बिना, हमारी आने वाली पीढ़ियां आज के युग में आर्थिक विकास या तकनीकी नवाचारों का लाभ नहीं उठा पाएंगी। उन्होंने कहा कि भारत विकासशील देशों की प्रमुख आवाज के रूप में उभर रहा है और यह अनेक देशों के सामूहिक दृष्टिकोण की वकालत करता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि समृद्धि की सामूहिक खोज में विविध विचारों पर विचार किया जाए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच मार्गदर्शक सिद्धांतों सम्मान, संवाद, सहयोग, शांति और समृद्धि के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य में, समकालीन चुनौतियों का समाधान करते हुए आपसी समृद्धि और शांति सुनिश्चित करने के लिए समान विचारधारा वाले देशों के बीच एकता को बढ़ावा देना आवश्यक है। भारत ने हमेशा वसुधैव कुटुंबकम, 'एक पृथ्वी, एक परिवार' के मूल सिद्धांत के आधार पर साझा समृद्धि और साझा जिम्मेदारी का समर्थन किया है, जो 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन का विषय भी था।

सोशल मीडिया ने सूचनाओं को सत्यापित करने के तरीके खोलकर लोकतंत्र को मजबूत किया: मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सूचनाओं के सत्यापन के लिए पहले मुट्ठी भर स्रोत ही उपलब्ध थे और इसके लिए विकल्प भी बहुत कम मौजूद थे लेकिन सोशल मीडिया ने अब सूचनाओं को सत्यापित करने के तरीके खोलकर लोकतंत्र को मजबूत किया है।

शेयर बाजार निवेश मंच 'जेरोधा' के सह-संस्थापक निखिल कामथ के साथ एक पॉडकास्ट में बातचीत में मोदी ने कहा कि पहले बहुत कम लोग सोशल मीडिया पर थे जो घटनाओं के संबंध में रिपोर्टिंग करते थे और उनकी बातों को सच मान लिया जाता था। उन्होंने कहा, ''आप फंस जाते थे क्योंकि सत्यापन का कोई अवसर नहीं था। लेकिन, आज आपके पास विभिन्न मंचों पर जानकारी सत्यापित करने का विकल्प है। आपके मोबाइल फोन पर सब कुछ उपलब्ध है।'' उन्होंने कहा, ''यदि आप थोड़ा ध्यान देते हैं तो आप सच्चाई का पता लगा सकते हैं। यही कारण है कि सोशल मीडिया लोकतंत्र को मजबूत कर सकता है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं में किसी भी चीज को सच मानने से पहले सोशल मीडिया पर सूचनाओं को सत्यापित करने की प्रवृत्ति होती है। मोदी ने कहा कि यह देखकर वह चकित हैं कि अंतरिक्ष क्षेत्र में हो रहे विकास को लेकर युवाओं ने कितनी दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने कहा, ''चंद्रयान की सफलता ने आज के युवाओं में एक नया उत्साह पैदा किया है। मैं कई बच्चों से मिलता हूं जो गगनयान के टाइम टेबल से वाकिफ हैं। देखिए, सोशल मीडिया की ताकत। वे गगनयान पर करीबी नजर रखे हुए हैं।''

मोदी ने कहा कि छात्रों को गगनयान मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों के विवरण और उस स्थान के बारे में पता है जहां वे प्रशिक्षण ले रहे हैं। उन्होंने कहा, ''कक्षा 8 और 9 के बच्चे यह सब जानते हैं। इसका मतलब है कि सोशल मीडिया को एक तरह से नई पीढ़ी के लिए बहुत बड़ी शक्ति माना जा सकता है।

'फर्जी' मतदाता पंजीकरण को लेकर भाजपा ने केजरीवाल के आवास के पास किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में उत्तर प्रदेश और बिहार से मतदाताओं के ''फर्जी'' पंजीकरण के दावे के संबंध में अरविंद केजरीवाल की टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नारे लगाते देखा गया जिनमें से कुछ ने केजरीवाल के आवास के पास सुरक्षा अवरोधक पार करने का प्रयास भी किया।

प्रदर्शन के दौरान 'लिट्टी चोखा खाएंगे, केजरीवाल भगाएंगे', 'छठी मैया की जय' और 'पूर्वांचल विरोधी केजरीवाल मुर्दाबाद' जैसे नारे गूंजे। एक प्रदर्शनकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''पूर्वांचलियों को फर्जी मतदाता कहा गया है। जब तक हम केजरीवाल को यहां से नहीं हटाएंगे, तब तक यह गुस्सा शांत नहीं होगा।'' एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा, ''उन्होंने हमें अपमानित किया है। अन्ना हजारे के आंदोलन के दौरान उन्होंने हमारा इस्तेमाल किया और हमें पुलिस की लाठियां खाने पर मजबूर किया और अब, वे हमें फर्जी मतदाता कह रहे हैं।''

प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा अवरोधक को पार करने की कोशिश की और केजरीवाल के आवास के निकट पहुंच गए। हालांकि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने और उन्हें तितर बितर करने के लिए पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बिना वैध अनुमति के प्रदर्शन करने के आरोप में 20 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया।

अंतर्देशीय जलमार्गों के लिए पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रु. के निवेश का फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। देश में अंतर्देशीय जलमार्ग नेटवर्क पर नीतिगत विमर्श के शीर्ष निकाय अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी) ने शुक्रवार को अगले पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की घोषणा की। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) की तरफ से काजीरंगा में आयोजित आईडब्ल्यूडीसी की दूसरी बैठक में राष्ट्रीय जलमार्गों पर बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की घोषणा की गई।

इन घोषणाओं में 21 अंतर्देशीय जलमार्गों पर 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई नई पहल भी शामिल हैं। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में नदियों के इर्दगिर्द रहने वाले समुदायों के पारंपरिक ज्ञान का इस्तेमाल करने और उनके सामाजिक-आर्थिक स्तर को सुधारने के लिए 'नदी समुदाय विकास योजना' लाने का फैसला किया गया।

इस अवसर पर सोनोवाल ने कहा, ''हम अंतर्देशीय जलमार्गों की सहायक प्रणाली को फिर से जीवंत करने का प्रयास कर रहे हैं ताकि हम रेलवे और सड़क मार्गों पर भीड़भाड़ कम कर सकें। इसके साथ ही यात्रियों और मालवाहक ऑपरेटरों दोनों के लिए परिवहन का एक लाभप्रद, आर्थिक, टिकाऊ और कुशल तरीका प्रदान कर सकें।'' सोनोवाल ने कहा, ''वर्ष 2014 से राष्ट्रीय जलमार्गों में निवेश बढ़ने से ये संभव हो पाए हैं।

राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम 2016 और अंतर्देशीय पोत अधिनियम 2021 जैसे विधायी सुधारों ने देश भर में जहाजों की सुरक्षित और सुचारू आवाजाही को सुव्यवस्थित किया है।''

बैठक में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर के अलावा गोवा के बंदरगाह मंत्री और असम, मणिपुर, जम्मू कश्मीर, मिजोरम एवं अरुणाचल प्रदेश के परिवहन मंत्री भी शामिल हुए।

दोस्तों, शिक्षकों, परिवार को मुख्यमंत्री आवास बुलाकर अपनी इच्छाएं पूरी कीं : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि बचपन में घर-द्वार छोड़ने के बाद जब वह राजनीति में आए और गुजरात के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने अपने स्कूल के दोस्तों, सभी शिक्षकों, वृहद परिवार और संन्यासी के रूप में जीवन यापन के दौरान पेट भरने वालों को मुख्यमंत्री आवास पर आमंत्रित कर अपनी चार प्रमुख इच्छाओं को पूरा किया था।

जेरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ के साथ एक पॉडकास्ट में संवाद करते हुए मोदी ने यह खुलासा किया। प्रधानमंत्री मोदी का यह पहला पॉडकास्ट है, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी किया। बचपन के किसी दोस्त से आज भी संपर्क में होने को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में मोदी ने कहा कि उनका मामला थोड़ा विचित्र है क्योंकि बहुत छोटी आयु में ही उन्होंने घर छोड़ दिया था। उन्होंने कहा, ''मतलब सब कुछ। मैं किसी से संपर्क में नहीं था। बहुत बड़ा अंतराल हो गया, मेरा किसी से संपर्क नहीं रहा। किसी से लेना देना भी नहीं था। मेरी जिंदगी ऐसे ही अनजान भटकते इंसान की थी। कोई पूछेगा मुझे, मेरे जीवन ही ऐसा नहीं था।'' उन्होंने कहा कि लेकिन जब वह मुख्यमंत्री बने तो उनके मन में कुछ इच्छाएं थीं, जो उन्होंने पूरी कीं। मोदी ने कहा, ''एक इच्छा थी कि मेरे क्लास के जितने दोस्त थे पुराने, सबको मैं मुख्यमंत्री आवास में बुलाऊं। उसके पीछे मेरा मनोविज्ञान यह था कि मैं नहीं चाहता था कि किसी को यह लगे कि मैं कोई तीस मार खां बन गया हूं। मैं वही हूं जो सालों पहले गांव छोड़कर गया था। मुझ में बदलाव नहीं आया है।'' उन्होंने कहा कि वह उस पल को जीना चाहते थे लेकिन इस मुलाकात के बीच इतना बड़ा अंतराल हो गया था कि वह चेहरे से भी किसी को पहचान नहीं पा रहे थे क्योंकि सब बड़े हो गए थे और बाल भी सफेद हो गए थे।

मोदी ने कहा, ''शायद 30-35 लोग इकट्ठे हुए थे। रात को खाना-वाना खाया। गपशप मारकर बचपन की यादें ताजा कीं। लेकिन मुझे बहुत आनंद नहीं आया। इसलिए नहीं आया क्योंकि मैं दोस्त खोज रहा था लेकिन उनको मुख्यमंत्री नजर आता था। वह खाई पटी नहीं मेरे जीवन में। तू बोलने वाला कोई बचा ही नहीं। ऐसी स्थिति हो गई।'' उन्होंने कहा कि उनके एक शिक्षक थे जो उन्हें हमेशा चिट्ठी लिखते थे और उनमें वह उन्हें 'तू' लिखते थे। मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी एक और इच्छा थी कि वह अपने उन शिक्षकों का सार्वजनिक रूप से सम्मान करें जिन्होंने बचपन में उन्हें पढ़ाया था। उन्होंने कहा, ''जो भी मेरे शिक्षक रहे, मैंने सबको ढूंढा और मुख्यमंत्री बनने के बाद मैंने उनका सार्वजनिक सम्मान किया।'' उन्होंने कहा कि मोदी के मोदी बनने में इन सभी का योगदान था और उन्हें सम्मानित करना उनके जीवन का बहुत अच्छा पल था।

जोखिम उठाने की मेरी क्षमता का अभी तक पूरा उपयोग नहीं हुआ: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह कभी भी 'कम्फर्ट जोन' (आरामदायक स्थिति) में नहीं रहे हैं और जोखिम उठाने की उनकी क्षमता का अभी तक पूरा उपयोग नहीं किया गया है।

जेरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ के साथ एक पॉडकास्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि वही लोग जीवन में असफल होते हैं जिन्हें कम्फर्ट जोन में रहने की आदत हो जाती है। उन्होंने कहा, ''यह मेरी किस्मत रही है कि मैंने अपनी जिंदगी कभी कम्फर्ट जोन में नहीं बिताई, कभी नहीं। चूंकि मैं कम्फर्ट जोन से बाहर था, मुझे पता था कि मुझे क्या करना है। शायद मैं आराम के लिए नहीं बना हूं...। मैंने जिस तरह की जिंदगी जी, छोटी-छोटी चीजें भी मुझे संतुष्टि देती हैं।'' मोदी ने आगे कहा कि लोग जीवन में तभी असफल होते हैं जब उन्हें 'कम्फर्ट जोन' की आदत हो जाती है। उन्होंने कहा, ''अगर एक बड़ा उद्योगपति भी जोखिम नहीं लेता है और कम्फर्ट जोन से बाहर नहीं आता है तो वह भी प्रगति नहीं करेगा ...वहीं खत्म हो जाएगा। इसलिए उसे बाहर आना होगा। कोई व्यक्ति जो किसी क्षेत्र में प्रगति करना चाहता है, उसे कम्फर्ट जोन की आदत नहीं डालनी चाहिए, जोखिम लेने की मानसिकता प्रेरक शक्ति है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या समय के साथ जोखिम उठाने की उनकी क्षमता बढ़ी है, प्रधानमंत्री ने कहा कि जोखिम उठाने की उनकी क्षमता का अभी तक पूरा उपयोग नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, ''... मेरी जोखिम लेने की क्षमता कई गुना अधिक है। इसके पीछे एक कारण है क्योंकि मैं चिंता नहीं करता। जो अपने बारे में नहीं सोचता उसके पास अनगिनत जोखिम लेने की क्षमता होती है, मेरा मामला भी ऐसा ही है।''

मनुवादी विचारधारा थोपना व युवाओं के साथ विश्वासघात ही मोदी सरकार की शिक्षा नीति : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि विश्वविद्यालयों पर नियंत्रण करना, स्वायत्त संस्थानों का गला घोंटना, सार्वजनिक शिक्षा पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की मनुवादी विचारधारा थोपना और युवाओं के साथ विश्वासघात करना ही मोदी सरकार की शिक्षा नीति है।

खरगे ने साशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भाजपा-आरएसएस लगातार, भारत की उच्च शिक्षा पर हमलावर हैं। नरेन्द्र मोदी जी, आप परीक्षा पे चर्चा और एक्जाम वारियर से अपना ढोल पीटते हैं, पर राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (एनटीएसई) को तीन वर्षों से बंद कर दिया गया है, ऐसा समाचार पत्रों से पता चला है।'' उन्होंने दावा किया कि 1963 से चलाई जा रही इस योजना पर 40 करोड़ रुपये ख़र्च होते पर प्रधानमंत्री मोदी के प्रचार पर 62 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''यूजीसी के मसौदा नियमन, 2025 में कुलपति नियुक्तियों पर राज्यपालों को व्यापक नियंत्रण प्रदान किया गया है और गैर-शैक्षणिक लोगों को इन पदों पर रहने का अधिकार दिया गया है, जो संघीय ढांचे (संघवाद) और राज्य के अधिकारों पर स्पष्ट रूप से हमला है। भाजपा-आरएसएस चाहती है कि केवल संघ परिवार के कुलपति नियुक्त हों।''

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया, ''पहले यूजीसी विश्वविद्यालयों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रही थी और यूजीसी को सरकार धन देती थी। पर अब वित्तीय सहायता देने के काम को मोदी सरकार द्वारा बनाई गई उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (एचईएफए) ने हड़प लिया है। यह केनरा बैंक और शिक्षा मंत्रालय के बीच एक उपक्रम है।''

भारतीय वित्तीय बाजारों में विदेशी निवेशकों का विश्वास हिल गया है: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को दावा किया कि नये साल की शुरुआत में विदेशी निवेशकों ने दो अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 17 हजार करोड़ रुपये) की बिकवाली की, जो इस बात का प्रमाण है कि भारत के वित्तीय बाजारों को लेकर निवेशकों का विश्वास पूरी तरह से हिल गया है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जब प्रधानमंत्री को फिर से यह पता चल रहा है कि वह भी एक इंसान हैं, ऐसे में पिछले 6 दिनों में हमारे शेयर बाज़ार से विदेशी निवेशकों ने क़रीब 2 अरब अमेरिकी डॉलर की बिकवाली कर साल 2025 की शुरुआत की है।'' उन्होंने दावा किया कि यह इस बात को दर्शाता है कि वेतन में स्थिरता है, निजी निवेश डगमगा रहा है और ख़पत में गिरावट है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सेबी प्रमुख माधवी बुच के 'हितों के टकराव' से संबंधित खुलासे के बाद भारत के वित्तीय बाजारों को लेकर निवेशकों का विश्वास पूरी तरह से हिल गया है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.69 अरब डॉलर घटकर 634.58 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन जनवरी को समाप्त सप्ताह में 5.69 अरब डॉलर घटकर 634.58 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि इससे पिछले सप्ताह में यह 4.11 अरब अमेरिकी डॉलर घटकर 640.28 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था।

विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से गिरावट आ रही है। इस गिरावट का कारण रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आरबीआई का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन को माना जा रहा है। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, तीन जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 6.44 अरब डॉलर घटकर 545.48 अरब डॉलर रह गईं।

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए उभरते क्षेत्रों में अगुवा बनने की जरूरत : कांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने शुक्रवार को कहा कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र और 32,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उभरते क्षेत्रों में दुनिया में अगुवा बनने की जरूरत है।

कांत ने यहां 'भारत जलवायु फोरम 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका, यूरोप और भारत ने विनिर्माण का हुनर खो दिया है और इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर काफी प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि भारत के उभरते क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बने बिना, हम 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाएंगे। हम कभी भी 32000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था नहीं बन पाएंगे।''

कांत ने बताया कि सौर पैनल विनिर्माण में भारतीय उद्योग पांच से सात वर्ष पीछे हैं। उन्होंने कहा कि भारत का उद्योग लगातार जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल, डीजल) वाहनों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, ''यदि आप इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के विनिर्माता नहीं बनते हैं, तो आप वैश्विक स्तर पर ईवी बाजार पर पकड़ खो देंगे।''

नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने कहा कि यदि भारत अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी की ओर बड़ा क्रांतिकारी बदलाव नहीं करता है, तो वह स्वच्छ प्रौद्योगिकी का एक बड़ा आयातक बना रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत उन कुछ देशों में से एक है, जो जलवायु के मामले में समृद्ध हैं।

खाद्य, पेय पदार्थ, समुद्री उत्पादों का निर्यात 100 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद: गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि अगले चार-पांच साल में खाद्य, पेय पदार्थ और समुद्री उत्पादों का निर्यात बढ़कर 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसका कारण वैश्विक बाजारों में इन वस्तुओं की भारी मांग है। ग्रेटर नोएडा में 'इंडसफूड 2025' प्रदर्शनी के दौरान खाद्य एवं पेय उद्योग के दिग्गजों के साथ बातचीत करते हुए मंत्री ने कंपनियों को गुणवत्ता, पोषण और पर्यावरण अनुकूल उपायों पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया। गोयल ने कहा, उम्मीद है कि अगले चार-पांच वर्षों में हमारे खाद्य, पेय, समुद्री उत्पादों और कृषि निर्यात में तीन अंकों यानी 100 अरब डॉलर का आंकड़ा देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह कोई महत्वाकांक्षी लक्ष्य नहीं है और निर्यात को इस स्तर तक ले जाने के लिए उद्योग को मिलकर काम करना चाहिए। उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सरकार देश में परीक्षण प्रयोगशालाओं का विस्तार करने पर विचार कर रही है।

औद्योगिक उत्पादन नवंबर में 5.2% बढ़ा

नई दिल्ली/भाषा। विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से देश में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर पिछले साल नवंबर में बढ़कर 5.2 प्रतिशत रही। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापे जाने वाले औद्योगिक उत्पादन में नवंबर, 2023 में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि नवंबर, 2024 में भारत का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 5.2 प्रतिशत बढ़ा। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन नवंबर, 2024 में 5.8 प्रतिशत बढ़ा, जो एक साल पहले इसी महीने में 1.3 प्रतिशत था। आलोच्य महीने में खनन उत्पादन में 1.9 प्रतिशत और बिजली उत्पादन में 4.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के एक वन क्षेत्र से सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उत्तरी कश्मीर जिले के क्रालपोरा इलाके के ती. पी. वनक्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया।

उन्होंने बताया कि तीन दिन तक चले व्यापक तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियारों व गोला-बारूद बरामद किया गया, जिसमें एक पिस्तौल, एक मैगजीन, आठ कारतूस, पांच हथगोले और एके-47 के 270 कारतूस शामिल हैं।

जम्मू के रेहड़ी-पटरी वालों ने फारूक अब्दुल्ला के आवास के बाहर प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू में रेहड़ी-पटरी वालों और दुकानदारों ने शुक्रवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और जम्मू नगर निगम (जेएमसी) द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान का विरोध किया। सड़कों और गलियों पर रेहड़ी-पटरी वालों और दुकानदारों द्वारा बड़े पैमाने पर किए गए अतिक्रमण के कारण जेएमसी ने पुलिस के साथ मिलकर जम्मू में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया, जिसका विक्रेताओं ने विरोध किया। अतिक्रमण के कारण बुरी तरह जाम लग गया और भीड़भाड़ की स्थिति पैदा हो गई है। सर्दियों के कपड़े बेचने विक्रेता इस अभियान और अपने सामान की जब्ती से नाराज थे। इन विक्रेताओं में अधिकतर कश्मीर घाटी के थे।

वे भटिंडी में अब्दुल्ला के आवास पर एकत्र हुए और प्रशासन तथा जेएमसी के खिलाफ नारे लगाते हुए उन्होंने अभियान को तत्काल रोकने की मांग की। बाद में अब्दुल्ला ने कुछ प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की और उन्हें सलाह दी कि वे अपना कारोबार करते समय यातायात में बाधा उत्पन्न करने से बचें।

पुरुषों की तुलना में स्वास्थ्य सेवा पर महिलाओं का खर्च अधिक होता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया)। ऑस्ट्रेलिया की सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा योजना 'मेडिकेयर' सभी ऑस्ट्रेलियाई लोगों को कम या बिना किसी लागत के व्यापक स्वास्थ्य एवं अस्पताल सेवाओं तक पहुंच की गारंटी देती है।

हालांकि एक विश्लेषण से पता चलता है कि पुरुषों की तुलना में स्वास्थ्य सेवाओं पर महिलाओं को अधिक खर्च करना पड़ता है।

अन्य शोधों में पाया गया है कि पुरुष और महिलाएं स्वास्थ्य सेवा पर समान राशि खर्च करते हैं, या यहां तक कि पुरुष थोड़ा अधिक खर्च करते हैं। हालांकि, यह स्पष्ट है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं स्वास्थ्य सेवा पर अपने कुल व्यय का अधिक हिस्सा खर्च करती हैं। लागत के कारण उनके चिकित्सा देखभाल को छोड़ने या देरी करने की संभावना भी अधिक होती है। तो फिर महिलाएं स्वास्थ्य देखभाल पर अपना अधिक धन क्यों खर्च करती हैं और हम इस अंतर को कैसे पाट सकते हैं? महिलाओं को गंभीर बीमारियां अधिक होती हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में गंभीर स्वास्थ्य समस्या होने की आशंका अधिक होती है। कुछ ऐसी स्थितियां भी हैं जो पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक प्रभावित करती हैं, जैसे 'ऑटोइम्यून' स्थितियां (उदाहरण के लिए, 'मल्टीपल स्केलेरोसिस' और 'रुमेटॉइड आर्थराइटिस')। इसके अलावा, चिकित्सा अनुसंधान में पुरुषों पर ध्यान केंद्रित किए जाने के कारण कभी-कभी चिकित्सा उपचार महिलाओं के लिए कम प्रभावी हो सकते हैं। ये असमानताएं संभवतः यह समझने में महत्वपूर्ण हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं आखिर क्यों स्वास्थ्य सेवाओं तक अधिक पहुंचती हैं। उदाहरण के लिए, 2021-22 में 79% पुरुषों

अगले दो साल में आईसीएफ में बनायी जायेंगी 50 अमृत भारत रेलगाड़ियां : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि रेल मंत्रालय ने अमृत भारत ट्रेन के द्वितीय संस्करण में 12 बड़े सुधार किए हैं और अगले दो वर्ष में 'इंटिग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ)' में ऐसी 50 ऐसी रेलगाड़ियां बनाई जाएंगी।

उन्होंने यहां आईसीएफ के महाप्रबंधक यू सुब्बा राव के साथ फैक्टरी का निरीक्षण करने के बाद कहा कि तमिलनाडु सरकार को लोगों की सेवा को राजनीति से ऊपर रखना चाहिए तथा केंद्र और उनका मंत्रालय लोगों के कल्याण की खातिर कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यहां आईसीएफ में संवाददाताओं से कहा, ''(यहां) अमृत भारत के दूसरे संस्करण (की रेलगाड़ियों का निर्माण होते) देखकर बहुत खुशी हुई। जैसा कि आप याद कर सकते हैं, अमृत भारत के पहले संस्करण की जनवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरुआत की गयी थी। पिछले एक साल के अनुभव के आधार पर, अमृत भारत के दूसरे संस्करण में कई सुधार किए गए हैं।'' अमृत भारत रेलगाड़ियों में सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''पूरी रेलगाड़ी में 12 बड़े सुधार किए गए हैं। अर्धस्वचालित 'कपलेट', मॉड्यूलर शौचालय, 'चेयर पिलर' और पार्टिशन', 'इमरजेंसी टॉक बैक फीचर', 'इमरजेंसी ब्रेक सिस्टम', वंदे भारत ट्रेन की तरह निरंतर प्रकाश प्रणाली, नए डिजाइन की सीट और 'बर्थ' में सुधार किया गया है।'' उन्होंने कहा कि अमृत भारत के दूसरे संस्करण की रेलगाड़ियों में नये डिजायन के साथ पूर्ण 'पैंट्री कार' (रसोईयान) बनायी गयी है।

वैष्णव ने कहा कि इन रेलगाड़ियों के निर्माण में निम्न आय और निम्न मध्य आय वर्ग के परिवारों को ध्यान में रखा जा रहा है। उन्होंने कहा, आने वाले दो वर्ष में (इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में) अमृत भारत के द्वितीय संस्करण की 50 ऐसी रेलगाड़ियां बनाई जाएंगी। इससे लंबी दूरी तक यात्रा करने वाले लोगों को सस्ती सेवा और उच्च गुणवत्ता वाला यात्रा अनुभव मिल सकेगा। बाद में 'पीटीआई-वीडियो' से बातचीत करते हुए रेलमंत्री ने कहा कि अमृत भारत रेलगाड़ियों का डिजायन निर्धनतम लोगों को भी आरामदेह सफर की सुविधा प्रदान करने की दृष्टि से तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा, 'अमृत भारत को वंदे (भारत) स्लीपर और अमृत भारत के पहले संस्करण के अनुभव के आधार पर डिज़ाइन किया गया है। सामान्य कोच में आरामदायक सीट, 'चार्जिंग पॉइंट', मोबाइल फोन और पानी की बोतल रखने की जगह और भी बहुत कुछ है।'

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को अपना सहयोग देना चाहिए क्योंकि मंत्रालय को भूमि आवंटन एक बड़ा मुद्दा रहा है। उन्होंने कहा, हमें भूमि अधिग्रहण में राज्य सरकार से सहयोग की आवश्यकता है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लोगों की सुविधाएं राजनीति से ऊपर हों और हमें पहले लोगों के कल्याण को देखना चाहिए। मैंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री (एम के स्टालिन) से हमारा समर्थन करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, तमिलनाडु के लोग बेहतर सुविधाएं चाहते हैं तथा भारत सरकार एवं प्रधानमंत्री वे सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अगर हम मिलकर (केंद्र और राज्य सरकार मिलकर) काम करें, तो हम लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान कर सकते हैं।

रामेश्वरम में ऐतिहासिक पंबन पुल के निर्माण पर रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा जताई गई आशंकाओं के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पुल का डिजाइन अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) के आधार पर तैयार किया गया था।

उन्होंने कहा, '...यह एक अनूठा पुल है। पंबन पुल जैसे पुल का डिजाइन और निर्माण विरले ही होता है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) को बताया गया कि यह मानक पुल नहीं है और अनोखे रूप से डिजायन किया गया पुल है एवं इसके डिजायन के लिए श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की सेवाएं ली गयी हैं। उन्होंने कहा, सीआरएस इस बात को समझ गए हैं और उन्होंने पुल के डिजायन को अब मंजूरी दे दी है। समिति की रिपोर्ट भी आ गयी है। मंत्री ने कहा कि रेलवे ने 10,000 इंजनों में कवच (ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकने में मदद करने वाली सुविधा) लगाए हैं और 15,000 किलोमीटर तक 'ट्रैक साइड फिटिंग' भी की जा रही है।

तिरुनेलवेली-चेन्नई एग्मोर-तिरुनेलवेली वंदे भारत एक्सप्रेस 15 जनवरी से 16 डिब्बों के साथ चलेगी

चेन्नई। दक्षिण रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और आराम को बढ़ाने के लिए, ट्रेन संख्या 20666/20665 तिरुनेलवेली-चेन्नई एग्मोर-तिरुनेलवेली वंदे भारत एक्सप्रेस को इसकी मौजूदा 8-डिब्बों की संरचना से बढ़ाकर 16-डिब्बों की संरचना में बदलने की घोषणा की है। ट्रेन संख्या 20666/20665 तिरुनेलवेली-चेन्नई एग्मोर-तिरुनेलवेली वंदे भारत एक्सप्रेस 15 जनवरी से दोनों तरफ से 16-कार वंदे भारत रेक के साथ संचालित होगी।

रेलवे ने पहले एक सूचना में 11 जनवरी से डिब्बे बढ़ाने की बात कही थी। इन 16 कोचों में चेयरकार 14 और एक्जीक्यूटिव चेयरकार के दो कोच होंगे।

तमिलनाडु में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रस्ताव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को एक विधेयक पेश किया जिसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के तहत महिलाओं और बच्चों के खिलाफ किए गए अपराधों के लिए दंड को बढ़ाने और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 में जमानत से संबंधित कुछ प्रावधानों का प्रस्ताव है।

तमिलनाडु में बीएनएस और बीएनएसएस को संशोधित करने से जुड़ा यह विधेयक राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित तिथि से लागू होगा। इस विधेयक को आपराधिक कानून (तमिलनाडु संशोधन) अधिनियम, 2025 के रूप में जाना जाता है। इसमें पुलिस अधिकारी या लोक सेवक द्वारा यौन उत्पीड़न के मामले में न्यूनतम चौदह वर्ष और बीस वर्ष के कठोर कारावास (आरआई) का प्रस्ताव है, जिसे आजीवन कठोर कारावास और जुर्माना तक बढ़ाया जा सकता है, बार-बार अपराध करने पर आजीवन कठोर कारावास, मृत्युदंड या आजीवन कठोर कारावास तथा पीड़ित की पहचान उजागर करने पर न्यूनतम तीन वर्ष के कारावास को पांच वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है और जुर्माना लगाया जा सकता है।

महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उन पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग, यौन उत्पीड़न, पीछा करना तथा एसिड फेंककर या फेंकने का प्रयास करके स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाने के लिए कठोर दंडात्मक प्रावधानों का प्रस्ताव किया गया है। यह विधेयक आज विधानसभा में प्रस्तुत किये गये तीन विधेयकों में से एक है। विधेयक पेश करते हुए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, भलाई और बेहतरी के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसलिए राज्य सरकार ने उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

विधेयक में कहा गया है, सरकार का दृढ़ विश्वास है कि बीएनएस में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ किए गए अपराधों के लिए दंड को बढ़ाने तथा ऐसे अपराधों के लिए अधिक कड़े प्रावधान निर्धारित करके बीएनएसएस में जमानत से संबंधित कुछ प्रावधानों में संशोधन करने से निश्चित रूप से ऐसे निंदनीय कृत्यों पर रोक लगेगी तथा यह सुनिश्चित होगा कि अपराधियों को उनके अपराधों के लिए अनुकरणीय और गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने तमिलनाडु महिला उत्पीड़न निषेध अधिनियम, 1998 में संशोधन करने के लिए एक विधेयक पेश किया, ताकि साइबर उत्पीड़न को भी इसमें शामिल किया जा सके, जो बड़े पैमाने पर फैल गया है।

इस विधेयक का दायरा बढ़ाकर अपराधियों के विरुद्ध कठोर दंड का प्रावधान किया जा रहा है, ताकि इस तरह के कृत्यों पर अंकुश लगाया जा सके और अपराधियों को कड़ी सजा दी जा सके। ग्रामीण विकास मंत्री आई. पेरियासामी ने तमिलनाडु पंचायत अधिनियम, 1994 में संशोधन के लिए एक विधेयक पेश किया, जिससे सरकार को 28 जिलों में पंचायतों के लिए विशेष अधिकारी नियुक्त करने का अधिकार मिल सके ताकि ये अधिकारी चुनाव होने तक नगर निकायों का प्रशासन चला सकें।

संबोधन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुक्रवार को मदुरै जिले के ए. वल्लापती गांव में भारतीय जनता पार्टी के तमिलनाडु अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने जनता, किसानों और सभी दिलों के लोगों से मुलाकात की। उन्होंने टंगस्टन खदान परियोजना को छोड़ने के बारे में विस्तार से बात कही।

हिंदी राष्ट्र भाषा नहीं, बल्कि राजभाषा है : पूर्व क्रिकेटर अश्विन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर आर. अश्विन ने कहा है कि हिंदी देश की राष्ट्र भाषा नहीं, बल्कि केवल राज भाषा है। उन्होंने बृहस्पतिवार को यहां एक निजी कॉलेज के दीक्षांत समारोह के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जहां उन्होंने छात्रों से पूछा कि वे किस भाषा में उनसे बात करना चाहेंगे। कुछ ने अंग्रेजी को प्राथमिकता दी और जब उन्होंने तमिल में संबोधित करने का विकल्प दिया, तो इसका भरपूर समर्थन किया गया, लेकिन हिंदी के लिए कोई भी तैयार नहीं हुआ।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने कहा, हिंदी...कोई प्रतिक्रिया नहीं। मेरा मानना है कि यह (हिंदी) हमारी राष्ट्र भाषा नहीं, बल्कि राज भाषा है।

प्रदर्शनी — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के कोट्टिवक्कम स्थित राजीव गांधी सलाई स्थित वाईएमसीए बॉयज टाउन में दस्तकार बाजार चल रहा है। गत 4 जनवरी से 12 जनवरी तक चलने वाली यह प्रदर्शनी में प्रवेश शुल्क 50 रुपए है और पार्किंग नि:शुल्क है। इस प्रदर्शनी में लगभग 18 भारतीय राज्यों के 110 से अधिक कुशल कारीगर शामिल हैं जो देश भर के साथ-साथ आपके मूल राज्यों से भी बेहतरीन कृतियाँ पेश कर रहे हैं। दस्तकार हाथ से बुने हुए लिनन, कांथा कढ़ाई, चमड़े की कठपुतलियाँ, मीनाकारी आभूषण, टसर सिल्क बुनाई, हाथ से बनी शिबोरी प्राकृतिक डाई, पुंजा धुरियों, टेराकोटा, बांस के उत्पाद, आदिवासी भित्ति चित्र कला, तांबे की घंटियाँ, एप्लिक वर्क, और बहुत कुछ सहित शिल्प और कारीगरों की एक असाधारण श्रृंखला यहां देखी जा सकती है। दस्तकार चेन्नई में, हम आपको हमारे प्रतिभाशाली कारीगरों के नेतृत्व में इंटरैक्टिव प्रदर्शनों की एक श्रृंखला लाने के लिए उत्साहित हैं। ये सत्र पारंपरिक भारतीय शिल्प को जानने और कारीगरों के साथ सीधे बातचीत करने का एक अवसर हैं।

धार्मिक समारोह के दौरान हाथी के हमले में घायल व्यक्ति की मौत

मलप्पुरम/भाषा। दो दिन पहले तिरूर के निकट धार्मिक समारोह के दौरान हाथी के हमले में घायल हुए 59 वर्षीय व्यक्ति की निजी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतक की पहचान एझुर निवासी कृष्णकुट्टी के रूप में हुई है। यह घटना आठ जनवरी को हुई जब मस्जिद में धार्मिक समारोह के लिए लाया गया हाथी भयभीत हो गया और भीड़ में जा घुसा। हाथी ने कृष्णकुट्टी को सूंड में उठाकर घुमाया और फिर फेंक दिया। हाथी को उसके महावतों ने शांत कराया। कोट्टाकल के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान कृष्णकुट्टी की शुक्रवार को मौत हो गई। इस घटना में कुल 24 लोग घायल हुए।

बैंक ऑफ़ इंडिया में विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। यहां बैंक ऑफ़ इंडिया, मदुरै आंचलिक कार्यालय में शुक्रवार को विश्व हिंदी दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस उपलक्ष्य में बैंक के स्टाफ सदस्यगण के लिए 'हिंदी एवं सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में विजयी होने वाले स्टाफ को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बैंक के सहायक महाप्रबंधक हर्ष एम जोएस् ने हिंदी ने वैश्विक महत्त्व को रेखांकित किया एवं हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी सीखने की आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला। सहायक महाप्रबंधक शिव सुब्रमणियन ने संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के राष्ट्रीय एवं वैश्विक आयामों पर विहंगावलोकन प्रस्तुत किया। समारोह का संचालन बैंक के राजभाषा अधिकारी चिराग राजा ने किया। बैंक ऑफ़ इंडिया वर्तमान में भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में से एक है। देश के सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेश में विस्तारित इसकी शाखाएँ (कुल 5100 से अधिक शाखाएँ) सरकार के 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने में अपना योगदान दे रही हैं।

सिंगापुर जाने वाली 'एअर इंडिया' की उड़ान में आई तकनीकी खराबी, हवाई अड्डे पर लौटा विमान

चेन्नई। सिंगापुर जाने वाली 'एअर इंडिया' की उड़ान में शुक्रवार को खराबी आ गई, जिसके बारे में पता लगने के बाद पायलट ने विमान को वापस शहर के हवाई अड्डे पर उतार लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि खराबी का पता लगने के बाद पायलट ने वापस लौटने के लिए हवाई अड्डे से संपर्क किया और विमान को सुरक्षित तरीके से उतार लिया। विमान में लगभग 170 यात्री सवार थे। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि चेन्नई से सिंगापुर जाने वाली उड़ान संख्या एआई 346 संदिग्ध तकनीकी समस्या के कारण वापस लौट आई। अधिकारी ने बताया कि ऐहतियाती जांच के लिए विमान को सुरक्षित तरीके से उतारा गया। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। अधिकारी ने यह भी कहा कि यात्रियों को चेन्नई से सिंगापुर भेजने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

रजनीकांत बेहद उदार और सौम्य हैं : ऋतिक रोशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/मुंबई। बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन ने 1986 की फिल्म भगवान दादा' में अभिनेता रजनीकांत के साथ एक बाल कलाकार के रूप में काम करने के अपने अनुभव को याद करते हुए बताया कि दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपर स्टार उनके प्रति कितने 'उदार और सौम्य' थे।

ऋतिक ने अपने पिता राकेश रोशन की 2000 में निर्देशित फिल्म 'कहो ना... प्यार है' में एक नायक के रूप में शानदार शुरुआत करने से पहले, 'आशा', और 'आप के दीवाने' सहित कई फिल्मों में बाल कलाकार के तौर पर काम किया था। इनमें से ही एक थी 'भगवान दादा' जो ऋतिक के नाना जे ओम प्रकाश द्वारा निर्देशित एक पारिवारिक ड्रामा फिल्म थी। इसमें रजनीकांत नायक थे। ऋतिक के पिता राकेश रोशन और बॉलीवुड स्टार रहीं श्रीदेवी ने भी इस फिल्म में काम किया है।

नेटफ्लिक्स की आगामी डॉक्यूमेंट्री-सीरीज़ द रोशन्स' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में, ऋतिक ने कैमरे के सामने अपने शुरुआती दिनों को याद किया और बताया कि कैसे वह एक छोटे मूर्ख लड़के' थे। 50 वर्षीय अभिनेता ने संवाददाताओं से कहा, मुझे

बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि मैं अब तक के सबसे महान कलाकार के साथ खड़ा हूं। मेरे लिए, वह रजनी अंकल थे। मैं उनसे इस तरह बात करता था, 'हां, नहीं।'... मैंने उनके साथ अपनी मर्जी से काम किया।'' ऋतिक ने कहा कि अगर उन्हें आज रजनीकांत के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो वह बहुत अलग होंगे। उन्होंने कहा मुझे उस पल बेहद दबाव महसूस होगा जब मैं उनके साथ स्क्रीन साझा करूंगा... वे बहुत ही सौम्य और इतने उदार थे। जब भी मैं कोई शॉट गड़बड़ करता था, तो मेरे दादाजी शॉट काट देते थे और रजनी सर दोष अपने ऊपर ले लेते हुए कहते थे, 'सॉरी, सॉरी, सॉरी। मेरी गलती है।' लेकिन वास्तव में मेरी गलती होती थी। हर बार जब मैं कोई गलती करता था, तो रजनी सर दोष अपने ऊपर ले लेते थे ताकि बच्चा घबरा न जाए। यह अविश्वसनीय था।'' 'द रोशन्स' ऋतिक के परिवार की तीन पीढ़ियों की कहानी को सामने लाएगी जिसमें उनके चाचा राजेश रोशन और उनके दिवंगत दादा और प्रख्यात संगीतकार रोशन भी शामिल हैं। इसका प्रीमियर 17 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर होगा।

राजस्थान पुलिस का पेपर लीक माफिया पर शिकंजा, पेपर लीक पर एसआईटी का पहरा, सरकार में युवाओं का विश्वास हुआ गहरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में वर्ष 2023 तक विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं के कारण युवाओं में व्याप्त निराशा को दूर करने के लिए राज्य सरकार के निर्देश पर राजस्थान पुलिस की 'स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम'(एसआईटी) ने विगत एक साल के दौरान एक के बाद एक अनेक प्रभावी कार्रवाइयों को अंजाम देकर नई नजीर पेश की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में नई सरकार का नेतृत्व संभालने के तुरंत बाद 16 दिसम्बर 2023 को हताश युवाओं के विश्वास को लौटाने की दिशा मे पेपर लीक से सम्बंधित प्रकरणों की गहन जांच एवं नकल गिरोह से जुड़े आरोपियों की धरपकड़ करने के लिए अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस एवं एसओजी के नेतृत्व में 'एसआईटी' के गठन का निर्णय लिया था। एसआईटी ने प्रदेश में पेपर लीक की रोकथाम के लिए इस सम्बन्ध में दर्ज मामलों में न केवल जाँच को त्वरित तरीके से आगे बढ़ाया है, बल्कि दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त एक्शन से जताया है कि राज्य सरकार युवाओं को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया कि राजस्थान पुलिस की 'एसआईटी' ने पिछले एक साल के अंतराल में पेपर लीक के अनेकानेक अपराधियों और पेपर लीक के मामलों में सम्मिलित गैंग के सरगनाओं की गिरफ्तारी से यह स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रदेश में कानून के साथ खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 'एसआईटी' की निर्णायक कार्रवाईयों से बने माहौल के बीच प्रदेश में गत एक साल में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की 145 एवं राजस्थान अधीनस्थ सेवा बोर्ड (आरएसएसबी) की 25 परीक्षाएं बिना पेपरलीक पारदर्शी तरीके से आयोजित की गई है।

डीजीपी साहू ने बताया कि प्रदेश में जेईएन पेपर लीक एवं उप निरीक्षक पुलिस एवं प्लाटून कमान्डर भर्ती परीक्षा2021 के पेपर लीक में सम्मिलित मुख्य गैंग सरगनाओं के साथ-साथ उनके सहयोगी तथा गलत तरीके से लाभान्वित हुए परीक्षार्थियों को भी गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से अनेक आरोपी वर्तमान में भी सलाखों के पीछे हैं। एसउन्होंने बताया कि 'एसआईटी' द्वारा परीक्षाओं में गड़बड़ी और अनियमितताओं के बारे में अलगअलग स्रोतों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर 2300 से अधिक परिवादों की जांच की जा रही है। अब तक 94 एफआईआर दर्ज की गई है, वहीं पेपर लीक मामलों में 244 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, इनमें से 176 आरोपी मौजूदा समय में जेल में है।

युवाओं पर विशेष रूप से फोकस कर रही राज्य सरकार : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित किए जा रहे राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के तृतीय दिन शुक्रवार को 'युवाओं के लिए अभिप्रेरणा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. श्रीकान्त ने इस कार्यक्रम में युवाओं को आगे बढ़ने और देश को विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ इस पूरे कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे। उन्होंने युवाओं के बीच बैठकर कार्यक्रम का श्रवण किया। कर्नल राठौड़ को अपने बीच पाकर युवा उत्साहित नजर आए। कर्नल राठौड़ ने कहा कि युवा महोत्सव में विशेषज्ञों के संवाद कार्यक्रम युवाओं के लिए लाभप्रद साबित होंगे और इससे उन्हें अपना जीवन बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी।

युवा मामले एवं खेल मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं पर विशेष रूप से फोकस कर रही है। वर्तमान में युवाओं के समक्ष कई तरह की चुनौतियां हैं। इसके दृष्टिगत युनाइटेड नेशंस की सहायता से जयपुर संभाग में एक काउंसलिंग सेंटर खोला जाएगा। यहां युवाओं की समुचित काउंसलिंग हो सकेगी, जिससे से उन्हें सही दिशा मिलेगी और उन्हें तनाव से उबरने में मदद मिलेगी।

इससे पूर्व 'युवाओं के लिए अभिप्रेरणा संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. श्रीकान्त ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की शक्ति उसके युवाओं में निहित होती है। उन्होंने कहा कि युवा शब्द का सम्बन्ध आयु से नहीं बल्कि मनोस्थिति से होता है। हमारा विश्वास जितना दृढ़ होगा, हम उतने ही युवा बने रहेंगे। युवा न तो कभी हारता है और न ही कभी थकता है। डॉ. श्रीकान्त ने कहा कि युवाओं को रोजगार प्राप्त करने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनना होगा। डॉ. श्रीकान्त ने कहा कि भारत का युवा जब खड़ा होता है तो कोई भी शक्ति उसके समक्ष नहीं टिक सकती। उन्होंने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। भारत में वह क्षमता है कि इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। देश आर्थिक, विज्ञान और कृषि जैसे क्षेत्रों में तरक्की कर रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में आज भारत अग्रणी देशों में शुमार है।

डॉ. श्रीकान्त ने विभिन्न प्रसंगों से माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमें भारत को अन्य देशों जैसा नहीं बल्कि भारत जैसा ही बनाना होगा। भारत वह देश है, जहां मनुष्यों को मानवता सिखाई जाती है। हमारी कल्पना महाशक्ति बनने की नहीं बल्कि विश्व गुरू बनने की होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 के विकसित भारत की हमारी कल्पना है कि हम हर क्षेत्र में दाता की भूमिका में हों। प्रारम्भ में डॉ. श्रीकान्त ने स्वामी विवेकानन्द जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह एवं राजस्थान यूथ बोर्ड के सदस्य सचिव कैलाश पहाड़िया सहित अन्य विशिष्टजन एवं बड़ी संख्या में युवा इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। पांच दिवसीय राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के तृतीय दिन शुक्रवार को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। इनमें एकल नृत्य प्रतियोगिता के साथ ही लुप्तप्राय कलाओं यथा रंगोली, मांडणा, कठपुतली आदि पर आधारित प्रतियोगिता आकर्षण का केन्द्र रही। युवा कृति प्रतियोगिता के तहत प्रतिभागियों ने हस्तकला का प्रदर्शन किया। वहीं, कृषि नवाचारों से सम्बन्धित प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। विजेताओं को 12 जनवरी को पुरस्कृत किया जाएगा। युवा महोत्सव के तहत शनिवार सुबह 11 बजे युवाओं के लिए अभिप्रेरणा संवाद कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाने में अहम योगदान देने वाले मोटिवेशनल स्पीकर शंकरानंद युवाओं को सम्बोधित करेंगे। इसके बाद एकल गायन, वाद्य यंत्र, रंगोली, मांडणा, कठपुतली कला आदि से सम्बन्धित प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

यातायात नियमों का पालन करते हुए राष्ट्र और समाज हित में सुरक्षार्थी बनें विद्यार्थी : पालीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्र और समाज के तौर पर सुरक्षा को महत्व देना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। विद्यार्थी यातायात नियमों की पूर्ण पालना करते हुए सड़क मार्गों पर सुरक्षित आवाजाही करें, ट्रैफिक में अनुशासित और सतर्क रहकर वे सुरक्षित तरीके से स्वयं भी अपने गंतव्य स्थल पहुंचे और आवागमन में अन्य चालकों और राहगीरों की सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखें, जिससे दूसरों को भी कोई असुविधा न हों और अवांछित दुर्घटनाओं से बचा जा सके। यह बात पुलिस मुख्यालय में अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) ट्रैफिक एवं टी एंड टी अनिल पालीवाल ने शुक्रवार को जयपुर में मानसरोवर स्थित आईआईएस स्कूल में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह (एक से 31 जनवरी, 2025) के सिलसिले में आयोजित अवेयरनेस कार्यक्रम में विद्यार्थियों और युवाओं को मोटिवेट करते हुए कहीं। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 'परवाह' (केयर) की थीम पर आयोजित किया जा रहा है।

एडीजी (ट्रैफिक) पालीवाल ने कहा कि विद्यार्थी, युवा और आमजन सुरक्षित कार्य करने की आदत डालें, खुद भी सुरक्षित रहे, दूसरों को भी सुरक्षित रखें और यातायात में सभी की सुरक्षा का ख़याल रखें। स्टूडेंटस से गलत ड्राइविंग पर दूसरों को टोकने और यातायात नियमों के उल्लंघन पर सही जगह शिकायत करने के साथ ही सोसाइटी को हर तरह से सुरक्षित बनाने में योगदान की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि आप जितने जागरूक सिटीजन बनेंगे, उतनी हमारी सेफ्टी बढेगीं। पालीवाल ने इस दौरान इंटरेक्टिव सेशन में स्टूडेंटस और बालवाहिनी चालकों के समूह से संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया और सुरक्षित यातायात के सम्बंध में उनके सुझावों को सराहा।

कार्यक्रम में एडीजी पालीवाल तथा यातायात पुलिस के अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने छात्रछात्राओं को यातायात जागरूकता के सम्बंध में प्रचार सामग्री का वितरण किया।

जोधपुर, जयपुर, अजमेर रेलवे स्टेशनों पर ऑटोमैटिक हेल्थ चेकअप की सुविधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर, जयपुर और अजमेर रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की स्वास्थ्य जांच के लिए ऑटोमैटिक हेल्थ चेकअप स्मार्ट कियोस्क की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार स्टेशन पर यात्रियों की स्वास्थ्य जांच के लिए प्राइवेट फर्म और रेलवे के साथ अनुबंध से प्रारंभ किए गए ऑटोमैटिक हेल्थ चेकअप स्मार्ट कियोस्क के माध्यम से यात्रियों को उनका एडवांस पर्सनल वेलनेस डेटा हाथों-हाथ मिल रहा है। स्टेशनों पर लगाये गये कियोस्क पर स्वास्थ्य परीक्षण मात्र पचास रूपए में किया जा रहा है तथा कियोस्क पर एडवांस आईओटी सेंसर से स्वास्थ्य के विभिन्न पैरामीटर्स के आधार पर जांच करके तत्काल रिपोर्ट भी दी जा रही है।

अत्याधुनिक हेल्थ चेकअप कियोस्क पर वजन, मोटापा और रक्तचाप सहित स्वास्थ्य के बारह पैरामीटर की अत्याधुनिक तरीके से स्क्रिनिंग की सुविधा उपलब्ध है जिससे यात्री अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सकें। हेल्थ चेकअप कियोस्क लगाने का यह भी उद्देश्य है कि स्क्रीनिंग में रेलयात्री के स्वास्थ्य के प्रति यदि कोई सचेत करने वाली रिपोर्ट आती है तो वह समय रहते किसी भी डॉक्टर या चिकित्सालय से परामर्ष प्राप्त कर उपचार करवा सकता है। इन हैल्थ कियोस्क पर फर्म.कंपनी की ओर से प्रशिक्षित तकनीशियन नियुक्त किए गए हैं।

राजस्थान जीव जंतु कल्याण बोर्ड अध्यक्ष ने जीव जंतुओं के हित में कार्य करने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई ने कहा है कि पशु-पक्षी हमारी धरा का अभिन्न अंग हैं। ये हमारे पर्यावरण और संस्कृति का हिस्सा हैं। किसी न किसी रूप में ये हमारे पर्यावरण और प्रकृति का संतुलन बनाए रखते हैं। हमें इन समस्त जीव जंतुओं के संरक्षण के साथ- साथ संवर्द्धन भी करना है।

विश्नोई ने शुक्रवार को जयपुर में जीव जंतु कल्याण बोर्ड कार्यालय में बोर्ड द्वारा प्रकाशित फोल्डर का विमोचन करने के बाद कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 जनवरी से 30 जनवरी तक पशु कल्याण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। विश्नोई ने कहा कि आज के इस मशीनी युग और अत्यधिक प्रतिस्पर्द्धात्मक जीवन शैली के कारण पर्यावरण का बहुत अधिक विनाश हो चुका है। इसके कारण मानव तथा जीव जंतुओं के स्वास्थ्य, व्यवहार एवं जैविक क्रियाओं पर खतरनाक तरीके से प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे पशु कल्याण पखवाड़े के दौरान निराश्रित पशुओं को चारा- पानी आश्रय की व्यवस्था तथा रोगी और घायल पशुओं की चिकित्सा की व्यवस्था करें। उन्होंने पशु कल्याण पखवाड़े के अतिरिक्त सामान्य दिनों में भी जीव- जंतुओं के हित में कार्य करने की अपील की।

विश्नोई ने कहा कि जीव - जंतुओं के प्रति सहज रूप से दया भाव रखें, उनके प्रति न तो क्रूरता करें और न ही होने दें। अगर किसी भी प्रकार की पशु क्रूरता या प्रताड़ना दिखाई दे तो उसे रोकें और साक्ष्यों के साथ स्थानीय प्रशासन, पुलिस या नजदीकी पशु कल्याण संगठन को सूचित करें। उन्होंने कहा कि पशु चाहे पालतू हो अथवा निराश्रित, सभी को देखभाल और मदद की आवश्यकता होती है। ये मूक प्राणी हमारी करूणा और देखभाल के हकदार हैं। उनका संरक्षण और कल्याण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर पशुपालन निदेशक डॉक्टर आनंद सेजरा ने कहा कि पतंगोत्सव हमारी संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लेकिन खुशी के इस माहौल में नन्हें परिंदों की जान को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी हमारी है। पतंग के धागे खासकर चाइनीज मांझा और तेज धार वाले धागे पक्षियों के लिए गंभीर खतरा और जानलेवा साबित होते हैं। हर साल लाखों पक्षी इन घातक मांझों से घायल होते हैं या अपनी जान गंवा देते हैं। उन्होंने कहा कि चाइनीज मांझे की बिक्री, संग्रहण और उपयोग प्रतिबंधित है। इसलिए इनका उपयोग न करें और न अपने आसपास होने दें। डॉ सेजरा ने बताया कि पशु कल्याण पखवाड़े के दौरान राज्य भर में पशु कल्याण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न स्तरों पर विविध प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

हमारी सरकार के कामों को रोककर बैठी है भाजपा सरकार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य की मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार उनकी सरकार की ओर से कराए गए कार्यों को रोककर बैठी है और उनका उद्घाटन नहीं कर रही। गहलोत ने 'एक्स' पर एक बयान में कहा,भाजपा सरकार श्रेय लेने के लिए हमारी सरकार के कामों को रोक कर बैठी है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा,राजस्थान में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हमने प्रदेश में नई पीढ़ी के लिए नए अवसर देने के लिए 'पेशेवर पाठ्यक्रम' वाले संस्थान खोले जिनमें हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल यूनिवर्सिटी, डॉ. भीमराव आंबेडकर विधि विश्वविद्यालय, मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी, महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज शामिल हैं। लेकिन नई सरकार के आने के बाद इनकी प्रगति पर रोक सी लगा दी गई है।' उन्होंने कहा कि हरिदेव जोशी विश्वविद्यालय का नया भवन जयपुर के दहमी कलां में तैयार है, परन्तु इसे खासा कोठी से वहां शिफ्ट नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय में

शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती को मंजूरी दी गई थी, परन्तु अभी तक भर्ती नहीं की जा सकी है। गहलोत ने कहा कि यही स्थिति कमोबेश डॉ. भीमराव आंबेडकर विधि विश्वविद्यालय की है जो अपने नए भवन की बजाय शिक्षा संकुल से ही संचालित हो रहा है। उन्होंने सवाल किया कि विश्वविद्यालयों को शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाई गई इमारतों में क्यों नहीं शिफ्ट किया जा रहा है।

गहलोत के अनुसार, इसी तरह जयपुर के जेएलएन मार्ग पर महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज की इमारत भी तैयार है परन्तु इसका भी उद्घाटन नहीं किया जा रहा है। यह पुणे के टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज एवं एमआईटी स्कूल ऑफ गवर्नेंस की तर्ज पर बना संस्थान है। उन्होंने कहा कि इसे जल्द से जल्द शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा, वित्त और तकनीक को मिलाकर फिनटेक के रूप में नया आयाम सामने आया है। हमारे युवा इस क्षेत्र में भी पढ़ाई करके आगे बढ़ सकें, इसलिए हमने जोधपुर में राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टिट्यूट बनाया। इस संस्थान का बाकी काम जल्द से जल्द पूरा कराकर इसे शुरू करना चाहिए। गहलोत के अनुसार ये सभी संस्थान पूरे देश में अपनी तरह के पहले संस्थान हैं। इनकी शुरुआत होने से देशभर में राजस्थान का नाम होगा। उन्होंने कहा,मुझे लगता है कि नई सरकार को किसी ने राय दी है कि जल्दी इनका उद्घाटन करने से श्रेय पिछली सरकार को मिल जाएगा। इसलिए इनका उद्घाटन अटकाकर रखना चाहिए जिससे जनता को लगे कि ये निर्माण कार्य इस सरकार के कार्यकाल में हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा,मैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से कहना चाहता हूं कि हमें इन कामों का कोई श्रेय नहीं चाहिए।

गरीब को गणेश मानकर करेंगे सेवा : खराड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग मंत्री एवं डूंगरपुर जिला प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि हम गरीब को गणेश मानकर सेवा करने आए हैं और इसके लिए राज्य सरकार हर वर्ग के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने शुक्रवार को करावाड़ा ग्राम पंचायत भवन एवं हड़मतिया ग्राम पंचायत भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में कहा कि सरकार महिला, युवा, किसान एवं गरीब प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है।

प्रभारी मंत्री ने बताया कि विगत एक वर्ष में ही राज्य सरकार ने किसान सम्मान निधि सहयोग राशि में बढ़ोतरी, बीपीएल वर्ग के लिए एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों में कमी, युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएं है, राइजिंग राजस्थान के माध्यम से उद्योगों एवं रोजगार को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लेकर विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के अभाव अभियोगों को दूर करने की अपनी प्रतिबद्धता को व्यक्त किया।

कार्यक्रम में जिला प्रमुख श्रीमती सूर्या देवी अहरी ने कहा कि सरकार ने महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं । उन्होंने जनधन योजना, स्वच्छता अभियान सहित अन्य योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि जिला परिषद के माध्यम से ग्राम पंचायतों में नियमानुसार विकास का हर संभव कार्य किया जाएगा। हरीश पाटीदार ने कहा कि केन्द्र तथा राज्य सरकार हर वर्ग के विकास के लिए तत्पर है और इसके लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विकसित भारत के सपने को पूरा करने में आमजन को भी पूर्ण मनोयोग से सहभागिता निभाने का आहवान किया। सीमलवाड़ा पंचायत समिति प्रधान कारीलाल ननोमा ने उपखंड क्षेत्र में हुए विकास कार्यों की जानकारी दी। साथ ही विकास कार्यों में आने वाली तकनीकी समस्याओं से भी अवगत कराते हुए टीएड मंत्री से समाधान का अनुरोध किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े शुक्रवार को महाराष्ट्र के देवगढ़, जिला अहिल्या नगर स्थित दत्त संस्थान पहुंचे। उन्होंने वहां दत्तात्रेय भगवान के दर्शन कर सभी के मंगल की कामना की। राज्यपाल ने इस दौरान भगवान दत्तात्रेय के जीवन आलोक की चर्चा करते हुए सभी को परोपकार से जुड़े रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर संस्थान के भास्कर महाराज ने राज्यपाल का अभिनंदन करते हुए स्वागत किया।

किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद बोलने से बचें : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुम्भ नगर/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद नहीं बोलना चाहिये। किसी की भी आस्था को ठेस पहुंचाकर वहां मस्जिद जैसा ढांचा खड़ा करना इस्लाम के सिद्धांतों के भी खिलाफ है।

यहां महाकुम्भ मेला क्षेत्र में ऐरावत घाट पर एक निजी चैनल के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे स्थान पर किसी भी प्रकार की होने वाली इबादत खुदा को भी मंजूर नहीं होती है। उन्होंने कहा कि जब खुदा को मंजूर नहीं होती है तो बेकार में वहां क्यों इबादत की जाए, वहीं इस्लाम में उपासना के लिए एक ढांचा खड़ा करना आवश्यक नहीं है जबकि यह सनातन धर्म में आवश्यक है। महाकुम्भ की भूमि को वक्फ की जमीन कहे जाने के मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ ने कहा, प्रयागराज की इस धरती पर हजारों वर्षों से कुम्भ का आयोजन होता आ रहा है। इसके बाद भी उसको कोई वक्फ बोर्ड की जमीन बोल दे, तो बस यही कहना है कि ये वक्फ बोर्ड है या भू माफिया का बोर्ड है। उन्होंने कहा कि इस तरह की दुष्प्रवृत्ति पर रोक लगनी ही चाहिए और हम रोक लगाएंगे। कहीं भी, कोई ऐसी जमीन जो सार्वजनिक उपयोग में होगी, हिंदू आस्था से जुड़े पवित्र स्थलों की होगी या सरकार की होगी, वहां इस प्रकार के किसी भी भू माफिया बोर्ड को कब्जा नहीं करने देंगे। मुख्यमंत्री ने 2013 के कुम्भ का उल्लेख करते हुए कहा, वर्ष 2017 के पहले यही आयोजन गंदगी का पर्याय बनता था और अव्यवस्था होती थी। 2013 के महाकुम्भ में मॉरीशस के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्नान करने आए थे और गंदगी देख दुखी मन से कहा था कि क्या यही गंगा है? और वापस चले गये थे। मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ में मुस्लिमों के प्रवेश को लेकर कहा कि जिनके मन में भारतीयता और भारत की सनातन परंपरा के प्रति सम्मान और श्रद्धा का भाव है, वो यहां पर आएं। लेकिन अगर कोई कुत्सित मानसिकता के साथ यहां आता है तो उसके साथ अन्य तरीके से भी व्यवहार हो सकता है। उन्होंने कहा, जिन्होंने किसी कालखंड में दबाव में आकर इस्लाम स्वीकार किया था, लेकिन उनके वंशज भारत की परंपरा पर आज भी गौरव की अनुभूति करते हैं और अपने गोत्र को भारत के ऋषियों के नाम से जोड़कर देखते हैं यदि वे लोग संगम में स्नान करने के लिए आते हैं तो इसमें कोई बुराई नहीं है। उनका स्वागत है।

संभल की जामा मस्जिद को लेकर किए एक सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे पुराणों में 5,000 वर्ष पहले से ही उल्लेख है कि संभल में हरि विष्णु का दसवां अवतार कल्कि के रूप में होगा। संभल में आज जो भी देखने को मिल रहा है, वह सभी सनातन धर्म से जुड़ा है। पांच हजार वर्ष पहले धरती पर इस्लाम नहीं था। उस समय केवल सनातन धर्म ही था। उस समय जब इस्लाम था ही नहीं, तो जामा मस्जिद का उल्लेख कैसे होगा।''

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ने पैंगोलिन की नई प्रजाति की खोज की

कोलकाता/भाषा। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई) विभाग के वैज्ञानिकों ने पैंगोलिन जीव की एक नई प्रजाति की खोज की है, जो लगभग 34 लाख साल पहले चीनी पैंगोलिन (मैनिस पेंटाडैक्टाइला) से अलग हुई थी। जेडएसआई ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इंडो-बर्मी पैंगोलिन (मैनिस इंडो-बर्मनिका) की खोज पैंगोलिन की उद्-विकास विविधता पर प्रकाश डालती है, जिस पर संभवतः इस क्षेत्र में व्यापक भू-जलवायु परिवर्तनों का प्रभाव हुआ।

प्राणी सर्वेक्षण विभाग से संबद्ध मुकेश ठाकुर के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में 'माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम' का विश्लेषण करने के लिए अत्याधुनिक जीनोमिक उपकरणों का उपयोग किया गया। ठाकुर ने कहा, ''यह खोज छिपी हुई विविधता को उजागर करने में आधुनिक आनुवंशिक उपकरणों की शक्ति का एक प्रमाण है। इंडो-बर्मी पैंगोलिन न केवल एशियाई पैंगोलिन के बारे में हमारी समझ को समृद्ध करता है बल्कि क्षेत्र-विशिष्ट संरक्षण प्रयासों की आवश्यकता पर भी जोर देता है।'' कलकत्ता विश्वविद्यालय के पीएचडी छात्र लेनरिक कोंचोक वांग्मो ने भी इस शोध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश के 'पैराटाइप' नमूनों की पहचान करने में।

भाजपा में दोबारा शामिल होने के बाद रघुबर दास ने कहा-झारखंड में जल्द सत्ता में वापसी करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास शुक्रवार को एक बार फिर यहां भाजपा में शामिल हो गए और कहा कि पार्टी राज्य में सत्ता में वापसी करेगी। विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद दास ने सक्रिय राजनीति में लौटने के लिए पिछले साल 24 दिसंबर को ओडिशा के राज्यपाल के पद से इस्तीफा दे दिया था।

भाजपा विधानसभा चुनाव में राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन को हराने में विफल रही थी। भाजपा के राज्य मुख्यालय में पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र राय, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ और सैकड़ों समर्थकों की मौजूदगी में दास का पार्टी में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर दास ने कहा कि वह 1980 के बाद दूसरी बार पार्टी की सदस्यता ग्रहण करके बहुत खुश हैं और वह लोगों की सेवा करेंगे। वर्ष 2023 में ओडिशा के राज्यपाल का पद संभालने के बाद उन्हें पार्टी छोड़नी पड़ी थी। दास ने कहा, 2024 के विधानसभा चुनावों में, प्रदेश अध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तक सभी पार्टी सदस्यों ने ईमानदारी से प्रयास किया, लेकिन हमें अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। हमें परिणामों से निराश नहीं होना चाहिए। हम जल्द ही वापसी करेंगे।

मणिपुर सरकार हिंसक कृत्यों में शामिल लोगों को गिरफ्तार करने के लिए प्रयासरत है: सिंह

इम्फाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार हिंसक कृत्यों में शामिल लोगों को गिरफ्तार करने के लिए अथक प्रयास कर रही है। उन्होंने साथ ही कहा कि जिन क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ है वहां सरकार राहत शिविरों में रहने वाले लोगों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने की व्यवस्था कर रही है। सिंह ने यह टिप्पणी एक कार्यक्रम के दौरान की, जहां 2023-2024 के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 विशेष परियोजना के तहत सफलतापूर्वक प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को कौशल प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

सिंह ने कहा, ''सरकार हिंसक कृत्यों के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। साथ ही, हम उन क्षेत्रों में राहत शिविरों में रहने वाले लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए भी व्यवस्था कर रहे हैं, जहां स्थिति में सुधार हुआ है।'' उन्होंने घोषणा की कि विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण पूरा कर चुके लोग प्रशिक्षण से संबंधित छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली 50,000 रुपये की वित्तीय सहायता का लाभ उठा सकते हैं। सिंह ने कहा कि लाभार्थी अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए राज्य सरकार की योजनाओं के तहत 30 प्रतिशत अनुदान के साथ 10,00,000 रुपये तक का ऋण प्राप्त कर सकते हैं।

चिराग ने उप्र, बिहार के मतदाताओं के बारे में टिप्पणी को लेकर केजरीवाल की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शुक्रवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उनके उत्तर प्रदेश और बिहार के फर्जी मतदाता वाले बयान को लेकर आलोचना की। चिराग ने हैरानी जताते हुए पूछा कि क्या आम आदमी पार्टी (आप) राष्ट्रीय राजधानी में दोहरी नागरिकता प्रणाली चाहती है।

पटना में संवाददाताओं से बात करते हुए लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव जीतेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग केंद्र से असहयोग के बारे में आप की शिकायतों से तंग आ चुके हैं।

उन्होंने कहा, ''पिछले 10 वर्षों में, आप सरकार दिल्ली की सड़कों और पानी की आपूर्ति में बदलाव के अपने बड़े वादों को पूरा करने में विफल रही है।'' पासवान ने कहा कि दिल्ली में सत्तारूढ़ पार्टी केवल वहां के उपराज्यपाल (एलजी) से असहयोग का रोना रोती रहती है।

उन्होंने कहा, ''इसलिए लोगों ने अब दिल्ली में ऐसी सरकार बनाने का मन बना लिया है, जिसे एलजी और केंद्र की सद्भावना प्राप्त हो। मुझे विश्वास है कि आठ फरवरी को जब वोटों की गिनती होगी, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'डबल इंजन' सरकार की भविष्यवाणी सच साबित होगी और भाजपा के नेतृत्व वाली राजग की जीत होगी।'' आम आदमी पार्टी के प्रमुख केजरीवाल के इस आरोप पर कि भाजपा की चुनावी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश और बिहार से फर्जी मतदाता दिल्ली लाए जा रहे हैं, केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''यह पूर्व मुख्यमंत्री की हताशा को दर्शाता है जो इन प्रदेशों के लोगों का अपमान करने के बावजूद प्रवासी आबादी के वोट पाने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा, मैंने अभी बिहार के नए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की है। हमने जिन बातों पर चर्चा की, उनमें से एक यह थी कि दिल्ली के निर्माण में उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रवासियों की भूमिका क्या है। क्या केजरीवाल दिल्ली में दोहरी नागरिकता चाहते हैं?''

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''वह (केजरीवाल) उद्धव ठाकरे की तरह बोलने लगे हैं जिनकी पार्टी मुंबई में यही भाषा बोलती थी। पासवान ने यह भी दावा किया कि दिल्ली में आप और कांग्रेस के बीच मुकाबला यह दर्शाता है कि 'इंडिया' गठबंधन टूट रहा है। उन्होंने बिहार में महागठबंधन के बिखरने की भविष्यवाणी करते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और अन्य दल कांग्रेस के प्रभुत्व को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं।

मुर्मू ने त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति, 26 अन्य को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को यहां 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के अंतिम दिन त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू तथा 26 अन्य को प्रतिष्ठित प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया।

मुर्मू ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और विभिन्न क्षेत्रों में समाज के वास्ते काम करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा प्रवासी भारतीयों की सफलता की कहानियां न केवल भारत के लिए गौरव की बात हैं, बल्कि वे दुनिया भर में लाखों लोगों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने को प्रेरित भी करती हैं। महिलाओं और भारतीय प्रवासियों पर विशेष ध्यान देने के साथ अपने देश का नेतृत्व करने में कंगालू के उत्कृष्ट योगदान ने विश्व मंच पर एक उच्च मानक स्थापित किया है। प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता की मिसाल कायम करने वाले प्रवासी भारतीयों को यह सम्मान दिया जाता है। कंगालू को सार्वजनिक मामलों की श्रेणी में यह पुरस्कार मिला। अन्य पुरस्कार विजेताओं में अजय राणे (ऑस्ट्रेलिया, सामुदायिक सेवा), मारियालेना जोन फर्नांडीस (ऑस्ट्रिया, शिक्षा), स्वामी संयुक्तानंद (फिजी, सामुदायिक सेवा), सरस्वती विद्या निकेतन (गुयाना, सामुदायिक सेवा), लेख राज जुनेजा (जापान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी), प्रेम कुमार (किर्गिज़ गणराज्य, चिकित्सा विज्ञान) और सौक्थवी चौधरी (लाओस, व्यवसाय) शामिल हैं। भारत के उपराष्ट्रपति की अध्यक्षता तथा विदेश मंत्री की उपाध्यक्षता वाली एक समिति ने पुरस्कार विजेताओं का चयन किया।

न्यायालय ने संभल शाही जामा मस्जिद कुआं विवाद मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और अन्य प्राधिकारियों से संभल में मुगलकालीन जामा मस्जिद के निकट स्थित निजी कुएं को लेकर कोई कदम नहीं उठाने का निर्देश दिया। शाही जामा मस्जिद, संभल की प्रबंधन समिति की याचिका पर विचार करते हुए प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने केंद्र सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक, संभल के जिला मजिस्ट्रेट और हरि शंकर जैन के नेतृत्व में हिंदू पक्ष से जुड़े व्यक्तियों को नोटिस जारी किए।

पीठ ने कहा, नोटिस जारी किया जाए, जिसका जवाब 21 फरवरी को देना होगा। इस बीच, प्रतिवादियों को दो सप्ताह में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। प्रतिवादी कुएं के संबंध में किसी भी नोटिस पर अमल न करें। मस्जिद समिति ने एक नई याचिका में कहा कि संभल जिला प्रशासन शहर में पुराने मंदिरों और कुओं को पुनर्जीवित करने के लिए एक कथित अभियान चला रहा है। याचिका के मुताबिक, खबरों से पता चला है कि कम से कम 32 पुराने अप्रयुक्त मंदिरों को बहाल किया गया है और 19 कुओं को सार्वजनिक उपयोग व प्रार्थना के लिए चिह्नित किया गया है।

याचिका में कहा गया है, जिला प्रशासन द्वारा बहाल किए जाने वाले कुओं की सूची में मस्जिद परिसर में स्थित एक कुआं भी शामिल है। याचिका में संभल जिला मजिस्ट्रेट को मस्जिद के प्रवेश द्वार के पास स्थित निजी कुएं को लेकर यथास्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश देने तथा उच्चतम न्यायालय की अनुमति के बिना भविष्य में कोई भी कार्रवाई न करने देने का अनुरोध किया गया था। कुआं आंशिक रूप से मस्जिद परिसर के अंदर और आंशिक रूप से बाहर बताया जा रहा है। याचिका में कहा गया है कि मस्जिद के मुख्य प्रवेश द्वार तक जाने वाली तीन संकरी गलियों को जोड़ने वाली जगह पर स्थित कुएं के पानी का उपयोग मस्जिद द्वारा किया जा रहा है। प्रबंधन समिति का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने कुएं के ऐतिहासिक महत्व पर जोर देते हुए कहा, अनादि काल से इस कुएं से पानी निकाला जाता रहा है।

अहमदी ने एक नोटिस पर चिंता जताई जिसमें इस स्थल को हरि मंदिर बताया गया है तथा वहां धार्मिक गतिविधियां शुरू करने की योजना बनाई गई है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी। कृपया स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें। पीठ ने कहा कि कुएं के संबंध में यथास्थिति बनाए रखी जानी चाहिए और इससे संबंधित कोई भी नोटिस प्रभावी नहीं होगा। हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि कुआं मस्जिद के दायरे से बाहर है और ऐतिहासिक रूप से इसका इस्तेमाल पूजा के लिए किया जाता रहा है। अहमदी ने कहा कि कुआं आंशिक रूप से मस्जिद परिसर के अंदर और आंशिक रूप से बाहर है। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में गूगल मैप की एक तस्वीर का हवाला दिया। मस्जिद समिति ने कहा कि उसने एक मामले में चंदौसी में दीवानी न्यायाधीश, सीनियर डिवीजन, संभल के 19 नवंबर, 2024 के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की है।

मस्जिद समिति ने कहा कि सर्वेक्षण के लिए याचिका दायर किए जाने के दिन ही वह याचिका मस्जिद का पक्ष सुने बिना स्वीकार कर ली गई।

शीर्ष अदालत ने पिछले साल 29 नवंबर को संभल की एक निचली अदालत को चंदौसी में मस्जिद और उसके सर्वेक्षण से संबंधित मामले की कार्यवाही रोकने का आदेश दिया था, साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार को हिंसा प्रभावित शहर में शांति व सद्भाव बनाए रखने का निर्देश दिया था।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर मवेशी तस्करों ने बीएसएफ जवानों पर हमला किया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बृहस्पतिवार रात बांग्लादेश के मवेशी तस्करों ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमला किया। अर्द्धसैनिक बल की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

जवानों ने आत्मरक्षा के तौर पर जवाबी कार्रवाई करते हुए तस्करी के प्रयास को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया और 10 सांड़ बरामद किए। बीएसएफ कर्मियों ने खुटादाह सीमा चौकी पर तस्करों को मवेशियों के साथ भारतीय सीमा की बाड़ के पास आते देखा। इस दौरान वह तस्कर बांग्लादेश की ओर से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके भारत में घुस आए। बीएसएफ जवानों द्वारा उन्हें रुकने के लिए जो चेतावनी दी, तस्करों ने उसे नजरअंदाज कर दिया। वह आक्रामक तरीके से आगे बढ़े और धारदार भालों का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने सीमा की बाड़ को काटने की कोशिश की। इसके जवाब में बीएसएफ के एक जवान ने चेतावनी के तौर पर एक खाली गोली चलाई।

बार-बार चुनाव प्रगति में बाधा डालते हैं, 'एक देश, एक चुनाव' पर प्रधानमंत्री का समर्थन करें : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुर्ग/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक देश, एक चुनाव' दृष्टिकोण का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव देश की तरक्की में बाधा डालते हैं।

शिवराज ने दुर्ग जिले के नागपुरा गांव में छत्तीसगढ़ सरकार के 'मोर आवास मोर अधिकार' कार्यक्रम में दिए संबोधन में यह टिप्पणी की। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को घर आवंटित करने के लिए आयोजित किया गया था। शिवराज ने कहा, हमारे देश में और कुछ हो या न हो, लेकिन चुनाव की तैयारी पांच साल, 12 महीने और 365 दिन तक चलती रहती है। सालभर पहले छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विधानसभा चुनाव हुए। उसके बाद लोकसभा चुनाव और फिर हरियाणा, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर तथा झारखंड में विधानसभा चुनाव हुए। अब दिल्ली का 'दंगल' शुरू हो गया है और फिर उसके बाद बिहार में चुनाव होगा। बार-बार होने वाले चुनाव देश की तरक्की में बाधा डालते हैं। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद सभी विकास कार्य रुक जाते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शिवराज ने कहा, सरकार और राजनीतिक दलों का पैसा बेवजह खर्च होता है। यहां तक कि नेता भी चुनाव संबंधी कार्यों में उलझ जाते हैं। बार-बार चुनाव होने के कारण नेता वोट गंवाने के डर से ऐसे फैसले लेने से डरते हैं, जिनसे लंबी अवधि में लाभ मिल सकता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव हर पांच साल में एक बार एक साथ होने चाहिए, ताकि सरकारें बिना किसी व्यवधान के साढ़े चार साल तक लोगों की सेवा कर सकें।

प्रतिका व तेजल के अर्द्धशतक, महिला टीम ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट/भाषा। भारतीय महिला टीम ने युवा सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल (89 रन) और तेजल हसाबनिस (नाबाद 53 रन) के अर्धशतकों की मदद से शुक्रवार को यहां शुरूआती महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में कम अनुभवी आयरलैंड को 93 गेंद रहते छह विकेट से शिकस्त देकर शृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल की।

'प्लेयर ऑफ द मैच' रहीं प्रतिका ने अपने अनुभव से अधिक परिपक्व खेल दिखाया जबकि तेजल ने यादगार वापसी करते हुए पचासा जड़ा। तेजल ने अंतिम वनडे अक्टूबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। प्रतिका और तेजल ने 84 गेंद में 116 रन की भागीदारी की जो जीत में अहम साबित हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए कप्तान स्मृति मंधाना (41 रन, 29 गेंद, छह चौके, एक छक्का) और प्रतिका ने अच्छी शुरूआत की। प्रतिका की 10 चौके और एक छक्के जड़ित 96 गेंद की पारी और अंत में तेजल की 46 गेंद (नौ चौके) की नाबाद पारी से भारत ने 34.3 ओवर में चार विकेट पर 241 रन बनाकर आराम से जीत हासिल कर ली।

मंधाना ने वेस्टइंडीज शृंखला की शानदार फॉर्म जारी रखते हुए तेजी से रन जुटाये। इस दौरान वह वनडे में 4,000 रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय और कुल 15वीं खिलाड़ी बन गईं। मंधाना ने आयरलैंड की गेंदबाजों के खिलाफ विकेट के दोनों ओर शॉट लगाये और वेस्टइंडीज शृंखला में पदार्पण करने वाली प्रतिका ने उनका अच्छा साथ निभाया। दोनों ने चार मैच में पारी का आगाज करते हुए तीसरी अर्धशतकीय साझेदारी की। हालांकि आयरलैंड ने पावरप्ले के अंत में मंधाना को आउट कर भारत को पहला झटका दिया। मंधाना मिड ऑन पर स्लॉग स्वीप को टाइम नहीं कर सकीं और अपने अर्धशतक से नौ रन से चूक गईं। हरलीन देओल (20) और जेमिमा रोड्रिग्स (09) शुरू में अच्छी फॉर्म में लग रही थीं लेकिन आयरलैंड की बायें हाथ की स्पिनर ऐमी मैगुएरे का शिकार हो गईं। इस तरह भारत ने 46 रन में तीन विकेट गंवा दिये। लेकिन मंधाना की आक्रामक पारी से टीम अच्छी स्थिति में बनी रहीं। आयरलैंड की 18 साल की मैगुएरे ने आठ ओवर में 57 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किये। लेकिन आयरलैंड का कम अनुभव उनके लिए नुकसानदायक रहा क्योंकि टीम ने अतिरिक्त से 21 रन गंवाये।

इससे पहले आयरलैंड ने भारतीय टीम के लचर क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए कप्तान गैबी लुईस की 92 रन की शानदार पारी और उनकी लियाह पॉल (59 रन) के साथ 117 रन की साझेदारी से सात विकेट पर 238 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड की टीम 14वें ओवर में 56 रन पर चार विकेट गंवाकर मुश्किल में थी लेकिन लुईस (129 गेंद, 15 चौके) और लियाह के बीच पांचवें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की मदद से टीम अच्छा स्कोर बनाने में कामयाब रही।

हमें आयरलैंड को 180 रन पर समेट देना चाहिए था : स्मृति मंधाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट/भाषा। कप्तान स्मृति मंधाना इस बात से खुश नहीं हैं कि भारत ने शुक्रवार को यहां पहले वनडे में खराब क्षेत्ररक्षण के कारण आयरलैंड को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंच दिया और उनका कहना है कि उन्हें अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम को 180 रन से कम स्कोर पर रोकना चाहिए था।

भारत ने 14वें ओवर में आयरलैंड का स्कोर चार विकेट पर 56 कर दिया था लेकिन मेहमान टीम ने कप्तान गैबी लुईस (92) और लियाह पॉल (59) की बदौलत सात विकेट पर 238 रन बनाने में सफल रही। हालांकि भारत ने बिना किसी परेशानी के लक्ष्य हासिल कर लिया लेकिन मंधाना ने घटिया क्षेत्ररक्षण को लेकर चिंता जताई। मंधाना ने मैच के बाद कहा, ''हमें क्षेत्ररक्षण में सुधार करने की जरूरत है। हमें उन्हें 180 पर रोकना चाहिए था, आगे भी ऐसा करने का लक्ष्य रखेंगे। हमें मैदान पर उतरकर अपनी योजनाओं को लागू करना होगा, यह अहम होगा।'' हालांकि कार्यवाहक कप्तान ने सपाट विकेट पर गेंदबाजी इकाई के प्रदर्शन की सराहना की।

सुविचार

एक सांसारिक आदमी को सांसारिक सुखों का आकर्षण, एक बच्चे का अपने माँ के प्रति आकर्षण और एक पति का अपनी पवित्र पत्नी के लिए आकर्षण। यदि कोई इन आकर्षण के बराबर ताकत से परमात्मा की ओर जाता है तो वो ईश्वर को पा लेता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मोबाइल फोन छीन रहा बचपन

बच्चों द्वारा किए जा रहे मोबाइल फोन के इस्तेमाल को सीमित करने के लिए गुजरात सरकार की पहल स्वागत-योग्य है। इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिएं, ताकि गुजरात के बच्चों का भविष्य बेहतर हो, साथ ही उनके अनुभवों से अन्य राज्यों की सरकारों के लिए भी इस दिशा में कदम बढ़ाने में आसानी हो। बेशक 'स्क्रीन' पर ज्यादा समय बिताना बच्चों के लिए अच्छा नहीं है। एक ओर जहां इससे सेहत पर बुरा असर पड़ता है, दूसरी ओर पढ़ाई का भी काफी नुकसान होता है। इन दिनों ऐसे बहुत उदाहरण देखने को मिल रहे हैं, जिनमें पाया जाता है कि बच्चे ने सालभर खूब मोबाइल फोन चलाया, जब परीक्षा परिणाम आया तो सबकुछ चौपट हो गया। कुछ बच्चे तो इससे भी चार हाथ आगे निकल गए हैं। वे फर्जी नाम और फर्जी पहचान के साथ अकाउंट बनाकर ऑनलाइन गेम और सट्टा खेल चुके हैं। बिहार के एक गांव का शख्स नौकरी के सिलसिले में किसी खाड़ी देश गया था। वहां उसने खूब मेहनत-मशक्कत की, ताकि उसके दोनों लड़के पढ़-लिख जाएं। उसने उन्हें बढ़िया मोबाइल फोन भी दिलाया, जिससे पढ़ाई में मदद मिले। खुद को अस्थमा होने के बावजूद बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखा और उनकी उच्च शिक्षा के लिए अपने बैंक खाते में छह लाख रुपए जमा किए। एक दिन बच्चों ने मोबाइल फोन पर ऑनलाइन गेम का वीडियो देखा। उसमें लाखों-करोड़ों रुपए जीतने के 'तरीके' बताए गए थे। बच्चों ने वह गेम डाउनलोड किया और इनाम जीतने के लिए पिता के बैंक खाते से रुपए लगाने लगे। उन्होंने शुरुआत में कुछ रुपए जीते। एक दिन ऐसा दांव लगा कि जो रकम जीती थी, वह तो हारे ही, पिता ने जो छह लाख रुपए जोड़कर रखे थे, वे भी हार गए।

ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि बच्चों द्वारा मोबाइल फोन के इस्तेमाल को लेकर मर्यादाएं तय करनी जरूरी हैं। कुछ माता-पिता, जो खुद सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय हैं, वे 'हास्य' और 'मनोरंजन' के नाम पर बच्चों को वीडियो में शामिल करते हैं। इससे उस बच्चे का लगाव भी मोबाइल फोन के साथ होना स्वाभाविक है। जब वह अपनी पढ़ाई की जगह मोबाइल फोन पर ज्यादा समय बिताने लगेगा तो माता-पिता उसे कैसे रोकेंगे, जबकि वे खुद रील देखने में व्यस्त रहते हैं? बच्चा किससे प्रेरणा लेगा? 'सुधार' की शुरुआत तो बड़ों को खुद से करनी चाहिए। प्राय: यह देखने में आता है कि जब एकल परिवारों में बच्चे के लिए माता-पिता के पास समय नहीं होता तो वह मोबाइल फोन से 'दोस्ती' कर लेता है। राजस्थान में एक सरकारी अधिकारी, जिनके पति करोड़पति कारोबारी हैं, के पांच वर्षीय बेटे को मोबाइल फोन चलाने की ऐसी लत लग चुकी है कि वह पढ़ाई ही नहीं, खाना-पीना भी भूल जाता है। उसे अपने कमरे में मोबाइल फोन और इंटरनेट मिल जाए, इसके बाद और कुछ नहीं चाहिए। माता-पिता अपने उस इकलौते बेटे की सुख-सुविधाओं में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते। लड़के के पास अपनी मां के ऑनलाइन शॉपिंग अकाउंट संबंधी पूरी डिटेल है। जब वह घर में अकेला होता है तो ऑनलाइन ऑर्डर देकर चीजें मंगवा लेता है। उसे लगता है कि हर चीज हासिल करना बहुत आसान है, चूंकि इसके लिए सिर्फ ऑनलाइन ऑर्डर देना पड़ता है! स्कूल में उसका स्वभाव आक्रामक है। जब घर में कोई मेहमान आता है तो वह लड़का उससे अभद्रता करने से नहीं हिचकता। उसकी बातों को माता-पिता हंसकर टाल देते हैं। यह मानसिकता उसे भविष्य में किस राह पर लेकर जाएगी, उसे कैसा नागरिक बनाएगी? क्या माता-पिता का कर्तव्य नहीं है कि वे उसकी ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखें? ऐसे मामलों में अब सरकारों को सख्ती दिखानी होगी। बच्चों को समझाना होगा कि यह समय अच्छी आदतें सीखने, खेलकूद में भाग लेने और पढ़ाई-लिखाई की ओर ध्यान देने के लिए है। इसे मोबाइल फोन की स्क्रीन देखते हुए बिता दिया तो खुद का भारी नुकसान कर लेंगे। बचपन बीत जाने के बाद वापस नहीं आएगा।

ट्वीटर टॉक

आज पचपदरा रिफाइनरी प्लांट का अवलोकन करने के पश्चात पदाधिकारियों की बैठक ली। इस अवसर पर परियोजना की व्यापक समीक्षा की और उपस्थित अधिकारियों को गुणवत्ता मानकों की पालना करते हुए रिफाइनरी को शुरू करने हेतु उचित दिशा-निर्देश दिए।

-भजनलाल शर्मा

सभी भारतवासियों को विश्व हिंदी दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ! हिंदी हमारी पहचान और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, यह हमारी परम्परा एवं गौरव का महान प्रतीक है। यह मात्र एक भाषा नहीं बल्कि आपसी प्रेम और अपनत्व को साझा करने का एक सशक्त माध्यम है।

-अर्जुनराम मेघवाल

पिछले कई महीनों से सीकर नानी सर्किल से बढाढर हाइवे पर कई किलोमीटर तक पानी भरा है, लेकिन सरकार में कोई सुध लेने वाला नहीं है। हाइवे के दोनों ओर सड़क पर जमे पानी से दुर्घटना की संभावना बनी हुई है वन विभाग सो रहे हैं और जनता भुगत रही है।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

दुख हरे प्रेम का विस्तार

प्राचीन काल में सुंदर नगरी की महारानी प्रमोदिनी अपनी इकलौती पुत्री कुसुमलता से अगाध प्रेम करती थी। लेकिन उसका असमय निधन हो गया। महारानी को पुत्री खोने का ऐसा आघात लगा कि वह अपनी सुध-बुध खो बैठी। अपने हृदय का दुख लेकर वह अक्सर श्मशान चली जाती और बेटी की याद में विलाप करती रहती। एक दिन, वहां से गुजर रहे एक संत ने महारानी को पुत्री वियोग में विलाप करते देखा। उन्होंने स्थानीय लोगों से स्त्री के दुख के बारे में पूछा। लोगों ने महारानी के दुख की जानकारी दी। फिर संत विलाप करती महारानी के पास जाकर बोले, 'बेटी, मृत्यु जीवन का अटल सत्य है। जो आया है, उसे एक दिन जाना ही है। शोक और मोह में डूबे रहने से न तो जाने वाला लौट सकता है और न ही बेटी की आत्मा को शांति मिलेगी। अपनी पुत्री के लिए जो प्रेम तुम्हारे हृदय में था, उसे केवल निजता तक सीमित क्यों रखना? इस प्रेम को विस्तार देकर अपनी प्रजा को समर्पित करो।' संत के इन शब्दों ने महारानी का हृदय परिवर्तन कर दिया। फिर धीरे-धीरे रानी ने अपने मातृत्व प्रेम को प्रजा के प्रति समर्पित कर दिया।

सामयिक

जहां स्वामी विवेकानन्द को मिली थी वैश्विक पहचान

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

भारत में रियासतों के विलीनीकरण से पूर्व राजस्थान में खेतड़ी एक सुविकसित रियासत थी। चारों तरफ फैले खेतड़ी के यश की चर्चा सुनकर ही विदेशी आक्रमणकारी महमूद गजनवी ने एक बार खेतड़ी पर भी आक्रमण किया था। मगर उसके उपरान्त भी खेतड़ी की शान में कोई कमी नहीं आयी थी। खेतड़ी के सभी राजा साहित्य एवं कला पारखी व संस्कृति के प्रति आस्थावान रहे थे। वे शिक्षा के विकास व विभिन्न क्षेत्रों को प्रकाशमान करने की दिशा में सदैव सचेष्ट रहते थे। खेतड़ी सदैव से ही महान विभूतियों की कार्यस्थली के रूप में जानी जाती रही है। खेतड़ी नरेश अजीतसिंह एक धार्मिक व आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाले शासक थे। राजा अजीतसिंह ने माऊन्ट आबू में एक नया महल खरीदा था। गर्मी में राजा उसी महल में ठहरे हुये थे। उसी दौरान 4 जून 1891 को उनकी युवा सन्यासी विवेकानन्द जी से उनकी पहली बार मुलाकात हुई। इस मुलाकात से अजीतसिंह उस युवा सन्यासी से इतने प्रभावित हुए कि राजा ने उस युवा सन्यासी को अपना गुरू बना लिया तथा अपने साथ खेतड़ी चलने का आग्रह किया। जिसे सन्यासी ठुकरा नहीं सके। स्वामी विवेकानन्द 7 अगस्त 1891 को प्रथम बार खेतड़ी आये। खेतड़ी में स्वामीजी 27 अक्टूबर 1891 तक रहे।

स्वामीजी ने राजा अजीतसिंह को उदार व विशाल बनने के लिए आधुनिक विज्ञान के महत्व को समझाया। खेतड़ी में ही स्वामी विवेकानन्द ने राजपण्डित नारायणदास शास्त्री के सहयोग से पाणिनी का 'अष्टाध्यायी' व पातंजलि का 'महाभाष्याधायी' का अध्ययन किया। स्वामीजी ने व्याकरणाचार्य और पाण्डित्य के लिए विख्यात नारायणदास शास्त्री को लिखे पत्रों में उन्हे मेरे गुरु कहकर सम्बोधित किया था। अमेरिका जाने से पूर्व राजा अजीतसिंह के निमंत्रण पर 21 अप्रेल 1893 को स्वामीजी दूसरी बार खेतड़ी पहुंचे। स्वामी जी इस दौरान 10 मई 1893 तक खेतड़ी में प्रवास किया। यह स्वामी जी की दूसरी खेतड़ी यात्रा थी। इसी दौरान एक दिन नरेश अजीत सिंह व स्वामीजी फतेहविलास महल में बैठे शास्त्र चर्चा कर रहे थे। तभी राज्य की नर्तकियों ने वहां आकर गायन वादन का अनुरोध किया। इस पर सन्यासी होने के नाते स्वामीजी उठकर जाने लगे तो नर्तकियों की दल नायिका मैनाबाई ने स्वामी जी से आग्रह किया कि स्वामीजी आप भी विराजें। मैं यहां भजन सुनाउंगी। इस पर स्वामीजी बैठ गये। नर्तकी मैनाबाई ने महाकवि सूरदास रचित प्रसिद्ध भजन 'प्रभु मोरे अवगुण चित न धरो। समदरसी है नाम तिहारो चाहे तो पार करो।।' सुनाया तो स्वामीजी की आंखों में पश्चाताप मिश्रित आंसुओं की धारा बह निकली और उन्होंने उस पतिता नारी को ज्ञानदायिनी मां कहकर सम्बोधित करते हुये कहा कि आपने आज मेरी आंखें खोल दी हैं। इस भजन को सुनकर ही स्वामीजी सन्यासोन्मुखी हुए ओर जीवन पर्यन्त सद्भाव से जुड़े रहने का व्रत धारण किया। 10 मई 1893 को स्वामजी मात्र 28 वर्ष की अल्पायु में खेतड़ी से अमेरिका जाने को प्रस्थान किया। महाराजा अजीतसिंह के आर्थिक सहयोग से ही स्वामी विवेकानन्द अमेरिका के शिकागो शहर में आयोजित विश्वधर्म सम्मेलन में शामिल हो वेदान्त की पताका फहराकर भारत को विश्व धर्मगुरु का सम्मान दिलाया।

इस बात का पता बहुत कम लोगों को है कि स्वामीजी का स्वामी विवेकानन्द नाम भी राजा अजीतसिंह ने रखा था। इससे पूर्व स्वामीजी का अपना नाम विविदिषानन्द था। शिकागो जाने से पूर्व राजा अजीतसिंह ने स्वामीजी से कहा आपका नाम बड़ा कठिन है। उसका अर्थ नहीं समझा जा सकता है। उसी दिन राजा अजीतसिंह ने उनके सिर पर साफा बांधा व भगवा चोगा पहना कर नया वेश व नया नाम स्वामी विवेकानन्द प्रदान किया था। जिसे स्वामीजी ने जीवन पर्यन्त धारण किया। आज भी लोक उन्हें राजा अजीतसिंह द्वारा प्रदत्त स्वामी विवेकानन्द नाम से ही जानते हैं।

शिकागो में हिन्दू धर्म की पताका फहराकर स्वामीजी विश्व भ्रमण करते हुए 1897 में जब भारत लौटे तो 17 दिसम्बर 1897 को खेतड़ी नरेश ने स्वामीजी के सम्मान में 12 मील दूर जाकर उनका स्वागत किया व भव्य गाजे-बाजे के साथ खेतड़ी लेकर आये। उस वक्त स्वामी जी को सम्मान स्वरूप खेतड़ी दरबार के सभी ओहदेदारों ने दो-दो सिक्के भेंट किये व खेतड़ी नरेश ने तीन हजार सिक्के भेंट कर दरबार हाल में स्वामी जी का स्वागत किया। सर्वधर्म सम्मेलन से

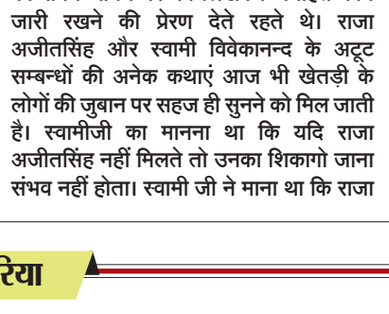

लौटने के बाद स्वामी विवेकानंद जब खेतड़ी आए तो राजा अजीत सिंह ने उनके स्वागत में शहर में चालीस मण देशी घी के दीपक जलवाए थे। इससे भोपालगढ़, फतेहसिंह महल, जयनिवास महल के साथ पूरा शहर जगमगा उठा था। 20 दिसम्बर 1897 को खेतड़ी के पन्नालाल शाह तालाब पर प्रीतिभोज देकर स्वामी जी का भव्य स्वागत किया। शाही भोज में उस वक्त खेतड़ी ठिकाना के पांच हजार लोगों ने भाग लिया था। उसी समारोह में स्वामी विवेकानन्द जी ने खेतड़ी में सावजनिक रूप से भाषण दिया जिसे सुनने हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। उस भाषण को सुनने वालों में खेतड़ी नरेश अजीत सिंह के साथ काफी संख्या में विदेशी राजनयिक भी शामिल हुये। 21 दिसम्बर 1897 को स्वामीजी खेतड़ी से प्रस्थान कर गये।

स्वामी विवेकानन्द जी ने एक बार कहा था कि यदि खेतड़ी के राजा अजीतसिंह जी से उनकी भेंट नही हुयी होती तो भारत की उन्नति के लिये उनके द्वारा जो थोड़ा बहुत प्रयास किया गया उसे वे कभी नहीं कर पाते। स्वामी जी राजा अजीतसिंह को समय-समय पर पत्र लिखकर जनहित कार्य जारी रखने की प्रेरण देते रहते थे। राजा अजीतसिंह और स्वामी विवेकानन्द के अटूट सम्बन्धों की अनेक कथाएं आज भी खेतड़ी के लोगों की जुबान पर सहज ही सुनने को मिल जाती है। स्वामीजी का मानना था कि यदि राजा अजीतसिंह नहीं मिलते तो उनका शिकागो जाना संभव नहीं होता। स्वामी जी ने माना था कि राजा अजीतसिंह ही उनके जीवन में एकमात्र मित्र थे। स्वामी जी के आग्रह पर राजा अजीत सिंह ने स्वामी की माता भुवनेश्वरी देवी को 1891 से सहयोग के लिये 100 रूपये प्रतिमाह भिजवाना प्रारम्भ करवाया था जो अजीतसिंह जी की मृत्यु तक जारी रहा। स्वामी जी का जन्म 12 जनवरी 1863 में व मृत्यु 4 जुलाई 1902 को हुयी थी। इसी तरह राजा अजीतसिंह जी का जन्म 10 अक्टूबर 1861 में व मृत्यु 18 जनवरी 1901 को हुयी थी। दोनो का निधन 39 वर्ष की उम्र में हो गया था व दोनो के जन्म व मृत्यु का समय में भी ज्यादा अन्तर नहीं था। इसे महज संयोग नहीं कहा जा सकता है।

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए यह संदेश देने वाले युवाओं के प्रेरणास्रेत, समाज सुधारक, युवा युगपुरुष स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में हुआ था। इनके जन्मदिन को ही राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका जन्मदिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाए जाने का प्रमुख कारण उनका दर्शन, सिद्धांत, आध्यात्मिक विचार और उनके आदर्श हैं। उनके ये विचार और आदर्श युवाओं में नई शक्ति और ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। किसी भी देश के युवा उसका भविष्य होते हैं। उन्हीं के हाथों में देश की उन्नति की बागडोर होती है।

स्वामी विवेकानन्द ने रामकृष्ण मिशन नामक सेवा भावी संगठन की स्थापना की। जिसकी राजस्थान में प्रथम शाखा खेतड़ी में 1958 को राजा अजीतसिंह के पौत्र बहादुर सरदार सिंह द्वारा खेतड़ी प्रवास के दौरान स्वामी जी के ठहरने के स्थान स्वामी विवेकानन्द स्मृति भवन में प्रारम्भ करवायी गयी। मिशन द्वारा खेतड़ी में गरीब तथा पिछड़े बालक-बालिकाओं के लिए श्री शारदा शिशु विहार नाम से एक बालवाड़ी, सार्वजनिक पुस्तकालय, वाचनालय एवं एक मातृ सदन तथा शिशु कल्याण केन्द्र भी चलाया जा रहा है। खेतड़ी चौराहे पर तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व.भैरोंसिंह शेखावत ने 1996 में स्वामी विवेकानन्दजी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया था। जिससे आनेवाली पीढियों को प्रेरणा मिलती रहेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी खेतड़ी में रामकृष्ण मिशन का दौरा कर स्वामी विवेकानन्द जी से जुड़ी यादों का अवलोकन कर चुके हैं।

नजरिया

बिखरना एवं टूटना ही था बेमेल बना इंडि गठबंधन

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

इंडि गठबंधन ने केन्द्र में सरकार बनाने एवं मोदी को परास्त करने की होड़ के साथ बड़ी एकजुटता के साथ बड़े-बड़े वादे किए थे, उन वादों का क्या हुआ? कमजोर बुनियाद पर खड़े इस गठबंधन का यही हश्र होना था, अब भाजपा को मौका मिल गया है। भाजपा नेता कहने लगे हैं कि हमने पहले ही कहा था, ये सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भय से एक साथ आए हैं। हालांकि, यह राजनीति है और यहां दलों की अपनी जरूरतों के हिसाब से गठबंधन बनते-बिगड़ते रहते हैं।

नरेन्द्र मोदी को सत्ता से उखाड़ फेंकने का ऐलान करने वाला एवं आरएसएस की संविधान विरोधी और विभाजनकारी विचारधारा के खिलाफ बिगुल बजाने के लिये बना बेमेल का इंडिया गठबंधन बनने के सवा साल के अंदर ही बिखर एवं खत्म हो गया लगता है, जब से यह गठबंधन बना तभी से इसमें गहरे मतभेद नजर आते रहे, मुद्दों एवं नीतियों में गहरा बिखराव देखने को मिलता रहा। जितने दल उतनी बातें। अब न मुद्दा एक रहा न मंच। कभी ईवीएम पर अलग-अलग राय तो कभी सम्भल पर, कभी अडानी पर घमासान तो कभी सीटों के तालमेल को लेकर मतभेद। कभी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर विवाद तो कभी विचारों को लेकर विरोधाभास। कभी गठबंधन का नेता बदलने की मांग तो कभी संसद में अपनी अपनी डफली और अपना अपना राग। इन गहरी खाइयों एवं गडढ़ों वाले इंडिया गठबंधन ने हरियाणा एवं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ही उलटी गिरती करना शुरु कर दिया था, अब दिल्ली विधानसभा चुनाव में यह पूरी तरह से बिखर गया है। अब तो दबी जुबान से बोले जाने वाले तीखे बोल सार्वजनिक हो चले हैं। इंडि गठबंधन को लेकर गठबंधन से जुड़े नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था, चुनाव खत्म हो चुका है तो गठबंधन भी खत्म हो गया।

इनदिनों बिहार और दिल्ली में सियासी पारा कड़ाके की ठंड में भी गर्म है। वजह है कि दोनों ही राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। दिल्ली में 5 फरवरी को वोटिंग है एवं साल के अंत तक बिहार में कौन राज करेगा इसकी तस्वीर भी साफ हो जाएगी। लेकिन इससे पहले दिल्ली एवं बिहार में राजनीतिक सरगर्मियों एवं तीखी बयानबाजी के बाद इंडि गठबंधन टूट के कगार पर पहुंच गया। दिल्ली चुनाव में 'आप' और कांग्रेस के बीच की दूरी और सहयोगी दलों के रुख के बाद गठबंधन की टूट तय हो गयी है और इस बात की पुष्टि गठबंधन के नेताओं से बयानों से हो रही है। वैसे तो इंडि गठबंधन की नाव कांग्रेस के हरियाणा और महाराष्ट्र में हारने के बाद ही हिचकोले लेने लगी थी, लेकिन दिल्ली चुनाव ने तो उसे लगभग डुबा ही दिया है। कांग्रेस के हाथ का साथ छोड़ इंडिया गठबंधन के सभी दल केजरीवाल के झाड़ के पीछे खड़े हो गए हैं। ममता की तृणमूल हो या अखिलेश यादव की सपा, उद्धव की शिवसेना हो या इंडिया के बाकी दल, सभी कांग्रेस से दूरी बनाते हुए केजरीवाल के साथ खड़े हो गये हैं। कहा जाता है कि राजनीति में कोई स्थाई दोस्त या दुश्मन नहीं होता, इसलिए राजनीति के बनते-बिगड़ते रिश्तों का यह इंडि गठबंधन सीरियल नये-नये एपिसोड दिखा रहा है। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पडती रही। इस तरह एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए घातक सिद्ध हुई।

इंडि गठबंधन के घटक दलों ने लोकसभा चुनाव में भले ही अपने लक्षित उद्देश्यों को पाने में तनिक सफलता हासिल की थी, उसने जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में भी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ा। लेकिन हरियाणा में कांग्रेस ने 'आप' से मिलकर चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। अब यही काम 'आप' ने दिल्ली में किया, क्योंकि वह राजधानी को अपना गढ़ मानती है। कांग्रेस भी दिल्ली की अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ने को तैयार नहीं, क्योंकि उसने लंबे समय तक यहां शासन किया है। कांग्रेस यह भी जानती है कि दिल्ली में 'आप' के प्रति किसी तरह की नरमी बरतने से वह अपनी बची-खुची राजनीतिक जमीन वैसे ही गंवा देगी, जैसे अन्य राज्यों में गंवा चुकी है। लेकिन इसी बीच यह भी बड़ा तथ्य है कि दिल्ली में 'आप' एवं कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ती तो यह भाजपा के लिये बड़ी चुनौती थी, अब भाजपा की दिल्ली में जीत की संभावनाएं बढ़ गयी है। एक बड़ा तथ्य यह भी है कि इंडि गठबंधन के अधिकांश घटक कांग्रेस के वोट बैंक पर कैंजा करके उभरे हैं। यदि कांग्रेस अब केवल मोदी को पछाड़ने के लिये गठबंधन धर्म निभाती है तो जिन चंद राज्यों में उसकी प्रभावी उपस्थिति है, वहां भी वह कमजोर हो जाएगी। दूसरी तरफ इंडि गठबंधन के घटक दल भी इससे परिचित हैं कि यदि उन्होंने अपने गढ़ों में कांग्रेस के प्रति उदारता एवं सहानुभूमि बरती तो वह उनके उस वोट बैंक को अपने पाले में कर सकती है, जिसे उन्होंने कभी उससे ही छीना था। वास्तव में इंडिया गठबंधन इन्हीं विरोधाभासों के कारण, राजनीतिक जोड़तोड, मजबूरियों एवं विवशताओं के चलते टूट-बिखर गया है।

महाराष्ट्र चुनाव के दौरान भी इंडिया गठबंधन के घटक दलों में तालमेल की कमी देखने को मिली थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में 'आप' और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं हो पाया। यह कैसा गठबंधन है, जिसमें इतने अंतर्विरोध एवं असहमतियां हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है और इससे गठबंधन की मूल विचारधारा पर प्रश्न खड़े होने भी स्वाभाविक थे। गठबंधन की सफलता के लिये नीति एवं नियत में एकजुटता जरूरी है। गठबंधन तभी सफलता से चलता है, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें और किसी बड़े लक्ष्य को सामने रखे। क्षेत्रीय पार्टियों की बहुलता और अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग क्षेत्रीय पार्टियों की प्रधानता के चलते भी इस तरह के गठबंधन को लंबे समय तक चला पाना मुश्किल था। चुनावी हार और सत्ता से बाहर होने की स्थिति में तो ऐसे गठबंधन को संभालना लगभग असंभव ही हो गया था। ऐसी स्थितियों में इंडिया गठबंधन का अंतिम सांसें गिनना स्वाभाविक ही रहा है।

भारतीय राजनीति के अतीत में न जाने कितनी बार विपक्षी एकता के प्रयास हुए, लेकिन वे एक सीमा से आगे नहीं बढ़ सके। ऐसे गठबंधनों की सरकारें भी बनी और वे गठबंधन सरकारें कुछ सीमा तक सफल भी हुई। लेकिन किसी भी गठबंधन की सफलता के लिए यह आवश्यक होता है कि उनके पास कोई साझा उद्देश्य हो और नीतिगत स्पष्टता भी हो। स्पष्टता के इसी अभाव के चलते इंडि गठबंधन अपने लिए कोई न्यूनतम साझा कार्यक्रम नहीं तैयार कर सका। ऐसे गठबंधन की सफलता की एक अनिवार्यता यह भी है कि नेतृत्व करने वाले दल का प्रभुत्व हो, गठबंधन नेता की प्रभावी छवि हो, उसकी स्पष्ट नीति एवं नियत हो, सिद्धान्त एवं विचार भी मजबूत हो, लेकिन इंडि गठबंधन में ऐसा नहीं रहा, भले ही लोकसभा चुनाव से पहले बहुत जोर-शोर से इंडि गठबंधन की बैठकें आयोजित हुई हो, पर अब गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी को न गठबंधन की चिंता है और न उसे किसी समन्वय बैठक की जरूरत महसूस हो रही है। कुछ दिन पहले तक कुछ क्षेत्रीय दल इंडिया गठबंधन का नया नेता चुनना चाहते थे, पर इन क्षेत्रीय दलों को यह भी पता है कि कांग्रेस के बिना उनके गठबंधन का कोई खास वजूद नहीं रहने वाला है। बहरहाल, आम लोगों के नजरिये से देखें, तो कई लोग कुछ ठगा हुआ महसूस कर रहे होंगे और इसका असर यह होगा कि भविष्य में बनने वाले किसी भी ऐसे विपक्षी गठबंधन को जनता का विश्वास जीतने एवं गठबंधन को सफल बनाने में मुश्किल आएगी।

इंडि गठबंधन ने केन्द्र में सरकार बनाने एवं मोदी को परास्त करने की होड़ के साथ बड़ी एकजुटता के साथ बड़े-बड़े वादे किए थे, उन वादों का क्या हुआ? कमजोर बुनियाद पर खड़े इस गठबंधन का यही हश्र होना था, अब भाजपा को मौका मिल गया है। भाजपा नेता कहने लगे हैं कि हमने पहले ही कहा था, ये सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भय से एक साथ आए हैं। हालांकि, यह राजनीति है और यहां दलों की अपनी जरूरतों के हिसाब से गठबंधन बनते-बिगड़ते रहते हैं। आज की राजनीति में यह असामान्य बात नहीं है। लोकसभा चुनाव में विपक्ष का मुख्य मकसद भाजपा को हराना था और इंडि गठबंधन का मकसद भी यहीं तक सीमित था। लेकिन अब ममता बनर्जी हों या उद्धव ठाकरे या अखिलेश यादव हो या केजरीवाल, तेजस्वी यादव हो या शरद यादव सबको स्वाभाविक ही अपने-अपने बैनर और दल की चिंता है, गठबंधन की नहीं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

महाकुंभ मेला 2025

प्रयागराज में संगम क्षेत्र में धर्म ध्वजा (धार्मिक ध्वज) समारोह के दौरान साधु शुक्रवार को आगामी महाकुंभ मेला 2025 के लिए ध्वजा लगाते हुए।

'एल एंड टी' प्रमुख के सुझाव पर दीपिका पादुकोण ने हैरानी जताई

नई दिल्ली/भाषा। कर्मचारियों से हफ्ते के सातों दिन (90 घंटा कार्य सप्ताह) काम कराने के बारे में 'एल एंड टी' के चेयरमैन एस. एन. सुब्रह्मण्यन की टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर जारी बहस में अब हिंदी फिल्म अभिनेत्री दीपिका पादुकोण भी शामिल हो गई हैं।

अभिनेत्री ने कहा कि कंपनियों में शीर्ष पदों पर बैठे लोगों की ओर से इस तरह के बयान आना चौंकाने वाला है।

सुब्रह्मण्यन ने कहा था कि वह चाहते हैं कि कर्मचारी रविवार को भी काम करें।

सोशल मीडिया पर प्रसारित एक पुराने वीडियो में सुब्रह्मण्यन को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ''आप अपनी पत्नी को कितनी देर तक घूर सकते हैं?'' वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है, ''मुझे खेद है कि मैं आपसे रविवार को काम नहीं करवा पा रहा हूं। अगर मैं आपसे रविवार को काम करवा सकूं तो मुझे ज्यादा खुशी होगी, क्योंकि मैं रविवार को भी काम करता हूं।'' पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर 'एल एंड टी' प्रमुख के बयान के बारे में एक पोस्ट साझा करते हुए कहा, ''ऐसे उच्च पदों पर बैठे लोगों को इस तरह के बयान देते देखना चौंकाने वाला है।''सुब्रह्मण्यन की टिप्पणियों की सोशल मीडिया पर आलोचना हुई तथा कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि उच्च वेतन वाले सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) जिनके काम की प्रकृत्ति और कार्य का दबाव अलग होता है, वे कम वेतन वाले कर्मचारियों से समान स्तर की प्रतिबद्धता की अपेक्षा क्यों करते हैं।

इसके तुरंत बाद, 'एल एंड टी' ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि चेयरमैन की टिप्पणी राष्ट्र के लिए असाधारण परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यक असाधारण प्रयासों के संदर्भ में थी।

कंपनी ने कहा, ''हमारा मानना है कि यह भारत का दशक है, ऐसा समय जो प्रगति को आगे बढ़ाने तथा विकसित राष्ट्र बनने के हमारे साझा दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सामूहिक समर्पण और प्रयास की मांग करता है।'' 'एल एंड टी' के प्रवक्ता ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, ''चेयरमैन की टिप्पणी इस बड़ी महत्वाकांक्षा को प्रतिबिंबित करती है तथा असाधारण प्रयास पर जोर देती है।'' पादुकोण मानसिक स्वास्थ्य की वकालत करती रही हैं और गैर-लाभकारी संगठन 'द लिव लव लाफ फाउंडेशन' की संस्थापक हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कंपनी का बयान पोस्ट किया और लिखा, '' उन्होंने इसे और बदतर बना दिया...।''

शिक्षा में सब्सिडी से पैदा हो रहे औसत दर्जे के इंजीनियरिंग स्नातक : राम माधव

नई दिल्ली/भाषा

भाजपा नेता राम माधव ने शुक्रवार को कहा कि शिक्षा में सब्सिडी व्यवस्था होने से 'औसत दर्जे के' इंजीनियरिंग स्नातक पैदा हो रहे हैं लिहाजा बाजार की ताकतों को नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में काम करने की मंजूरी दी जानी चाहिए।

माधव ने यहां 'भारत जलवायु मंच 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि इंजीनियर कॉलेज में नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी के बारे में सबसे अधिक सीखते हैं। उन्होंने कहा, मेरे पास एक बहुत ही महत्वपूर्ण सुझाव है... शिक्षा को सब्सिडी देने का पूरा कारोबार शायद बंद होना चाहिए। यह वास्तव में हमारे देश में औसत दर्जे के स्नातक पैदा कर रहा है।

इंडिया फाउंडेशन के प्रमुख माधव ने कहा, शायद बाजार की ताकतों को मंजूरी दी जाए। छात्रों को पढ़ाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा इंजीनियरिंग को एक अलग विषय के तौर पर विकसित करने के लिए कंपनियों को अपना खुद का शैक्षणिक बुनियादी ढांचा बनाने की अनुमति दी जाए।

माधव ने जरूरी कौशल पैदा करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा, अधिकांश इंजीनियरिंग कॉलेज ऐसे इंजीनियर तैयार करते हैं जिन्होंने अपनी पांच साल की शिक्षा में शायद सौर पैनल भी नहीं देखा होगा। उन्होंने यह भी बताया कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के वास्तविक संदर्भ में भारत का शोध एवं विकास गतिविधियों में निवेश चीन और अमेरिका की तुलना में बहुत कम है।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत नवाचार और सहयोग के माध्यम से आर्थिक संप्रभुता और तकनीकी नेतृत्व के लिए भारत के अभियान का प्रतीक है। उन्होंने कहा, हमारा 4जी-5जी दूरसंचार ढांचा इस धारणा को दर्शाता है, जिसे नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र सार्वजनिक-निजी भागीदारी के साथ विश्व स्तरीय, प्रतिस्पर्धी समाधान सक्षम कर अपना सकता है।

इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह-संयोजक अश्विनी महाजन ने कहा कि भारत के स्वच्छ-प्रौद्योगिकी विनिर्माण क्षेत्र में आयात निर्भरता को कम करने, ऊर्जा संक्रमण को स्थिर करने और लाखों नौकरियां पैदा करने की अपार संभावनाएं हैं।

महाजन ने कहा, आर्थिक वृद्धि को टिकाऊ विकास के लक्ष्यों के तालमेल में रखने के लिए एक मजबूत नीतिगत ढांचा महत्वपूर्ण है।

चौंक गया था जब मेरे पिता ने कहा कि वह 'कहो ना... प्यार है' मेरे साथ बना रहे हैं: ऋतिक रोशन

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन ने बताया कि जब उनके पिता राकेश रोशन ने उन्हें कहा कि वह उनके साथ 'कहो ना...प्यार है' बनाएंगे तो वह दंग रह गए थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि यह फिल्म शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान जैसे बड़े सितारों के लिए लिखी जा रही है।

राकेश रोशन द्वारा निर्देशित, 'कहो ना... प्यार है' 2000 में रिलीज हुई थी और इस फिल्म से ऋतिक रोशन के करियर की शानदार शुरुआत हुई थी। ऋतिक की फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल की यात्रा का जश्न मनाने के लिए, इस फिल्म को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। बृहस्पतिवार शाम को एक विशेष 'फैन स्क्रीनिंग' में देश भर से प्रशंसक इस लोकप्रिय फिल्म को देखने के लिए एकत्रित हुए। इस फिल्म में अमीषा पटेल भी थीं। एक संवाद सत्र के दौरान ऋतिक ने फिल्म की कास्टिंग के बारे में बात की।

ऋतिक रोशन ने बताया,'' तब मेरे पिता ने कहा कि वह मेरे साथ यह फिल्म बना रहे हैं, तो मुझे बहुत आश्चर्य हुआ।'' उन्होंने बताया कि शुरुआत में मुझे लगा कि यह कहानी शाहरुख खान, आमिर खान या सलमान खान जैसे बड़े सितारों के लिए लिखी जा रही है। उन्होंने बताया, मैंने कहा, पापा, इनमें से कोई भी अभिनेता इस फिल्म के लिए ठीक नहीं रहेगा। मैंने उन्हें उनकी पहली फिल्मों में यह सब करते देखा है।' इस पर उन्होंने कहा, 'चुप रहो। मैं यह फिल्म तुम्हारे साथ बना रहा हूं।' तो हां, यह थोड़ा चौंकाने वाला था।

गायक अरमान मलिक और प्रभावशाली आशना श्रॉफ गुरुवार की रात मुंबई में अपनी शादी की पार्टी में फोटो खिंचवाते हुए।

जिन निर्देशकों के साथ काम किया, उनके प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान और प्यार : कंगना

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत का कहना है कि उन्होंने जिन निर्देशकों के साथ काम किया है,उनके उनके प्रति उनके मन में बहुत सम्मान और प्यार है। इस वीकेंड, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर बहुचर्चित सिंगिंग रियलिटी शो, इंडियन आइडल सीज़न 15, सत्तर के दशक के प्रतिष्ठित गानों की पेश करते हुए सेंसेशनल 70 के जादू का जश्न मनाएगा। इस एपिसोड में अभिनेत्री कंगना रनौत का स्वागत किया जाएगा, जो आगामी फिल्म इमरजेंसी की निर्माता,लेखिका, निर्देशक और अभिनेत्री हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म के प्रमोशन में उनके साथ उनके सह-कलाकार अनुपम खेर और श्रेयस तलपड़े भी शामिल होंगे।

एपिसोड के दौरान एक मज़ेदार बातचीत में, आइडल की क्रेज़ी गर्ल मानसी घोष ने कंगना को बताया कि वह उनकी बहुत बड़ी फैन हैं और उनसे पूछा, मैंने कई साक्षात्कारों में देखा है जहां निर्देशकों ने उल्लेख किया है कि आप उनकी फिल्मों के निर्देशन और स्क्रिप्ट में बहुत हस्तक्षेप करती हैं, और उन्हें आपके साथ काम करने में मज़ा नहीं आता। क्या इसीलिए आपने अपनी

फिल्मों का खुद निर्देशन करने का फैसला किया? इस पर कंगना ने सहजता से जवाब दिया, सारा सियापा खतम करो आपको इसका मतलब पता है ना? ना रहेगा बांस, ना बजेगी बांसुरी।यह सच नहीं है। मैंने जिनके साथ काम किया है, उनके प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान और प्यार है। उन्होंने मुझे प्रेरित किया है, और मुझे कुछ बेहतरीन निर्देशकों के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है। क्वीन, तनु वेड्स मनु, फैशन और गैंगस्टर जैसी फिल्में अपनी लाजवाब फिल्मोग्राफ़ी के लिए याद की जाती हैं। इसने मुझे खुद फिल्म निर्माण करने के लिए प्रेरित किया।

कंगना ने कहा,जब आप दस लोगों के साथ काम करते हैं, तो हो सकता है कि उनमें से एक या दो लोगों के साथ आपका तालमेल न बैठे, और यह ठीक है। हर किसी को पसंद आने के लिए आपको खुद को बदलने की ज़रूरत नहीं है। मैंने 2005 में शुरुआत की थी, और अब यह 2025 है, लेकिन अभी भी केवल कुछ मुट्ठी भर, शायद लगभग पांच या छह निर्देशक, अभिनेत्रियां, और नायक हैं जिन्होंने वाकई कुछ हासिल किया है। आप उनके आसपास चक्की पीसते रहते हैं। इसलिए मैंने सोचा, 'आइए नई प्रतिभा को आगे बढ़ाएं।

कंगना ने कहा, यदि आप मेरी फिल्म इमरजेंसी देखेंगे, तो आप देखेंगे कि हमने दुनिया भर से कुछ बेहतरीन प्रतिभाओं को इकट्ठा किया है। हमारे डीओपी ने अकादमी पुरस्कार जीता है, मेरा प्रोस्थेटिक मेकअप आर्टिस्ट दुनिया में बेस्ट है, मेरे क्रू में अनुपम जी और श्रेयस जैसे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कलाकार हैं, और मेरा मार्गदर्शन करने वाले स्क्रिप्ट सलाहकार देश में बेस्ट हैं। कभी-कभी, मुझे लगता है कि हमारी अपनी फिल्में हमें निराश कर सकती हैं, लेकिन इस 20 साल की मेहनत के बाद, मैंने सोचा, 'चलो कुछ अलग करें।ऐसा नहीं है कि ऐसे लोगों की कमी है जो मेरे साथ काम करना चाहते हैं। मैं बस कुछ नया बनाना चाहती थी। इंडियन आइडल 15 ,इस वीकेंड रात 8:30 बजे केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर प्रसारित होगा।

तेनाली के किरदार ने चुनौतियों का सामना शांति और रचनात्मकता के साथ करना सिखाया : कृष्ण भारद्वाज

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब के सीरियल तेनाली रामा में मुख्य भूमिका निभा रहे कृष्णा भारद्वाज का कहना है कि 'तेनाली के किरदार ने उन्हें चुनौतियों का सामना शांति और रचनात्मकता के साथ करना सिखाया है। सोनी सब के तेनाली रामा में महान दरबारी तेनाली रामा की शानदार यात्रा और एक गिरे हुए नायक के उत्थान को दिखाया गया है। कृष्णा भारद्वाज प्रतिष्ठित तेनाली रामा के रूप में लौटते हैं, जो कहानी में आकर्षण, बुद्धि और उत्साह की एक नई लहर लाते हैं। शो में वर्तमान में तेनाली रामा को भेष बदलकर विजयनगर में घूमते हुए दिखाया गया है, जो राजा कृष्णदेवराय से किए गए वादों से जूझते हुए अपने प्यारे राज्य की रक्षा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। नई चुनौतियों और प्रतिकूलताओं का सामना करते हुए उसकी चतुराई और वफादारी की अंतिम परीक्षा होती है।

कृष्णा भारद्वाज ने कहा,मैंने पहले चार साल तक तेनाली की भूमिका निभाई थी, और अब शो की वापसी के साथ यह देखना विनम्र है कि प्यार बढ़ता ही जा रहा है। एक यादगार मुलाकात तब हुई जब शूटिंग के दौरान तेनाली रामा की पोशाक पहने एक युवा प्रशंसक मुझसे मिलने आया।

उसने शो का एक मज़ेदार संवाद भी बखूबी सुनाया! ऐसे पल मुझे याद दिलाते हैं कि मैं जो करता हूँ, वह क्यों करता हूँ। यह जानकर खुशी होती है कि यह किरदार इतने सारे लोगों को पसंद आता है।तेनाली की भूमिका निभाने से मुझे चुनौतियों का सामना शांति और रचनात्मकता के साथ करना सिखाया है। मैं अक्सर सोचता हूँ, इस स्थिति में तेनाली क्या करेगा? सेट पर एक पल ऐसा भी आया जब हमें प्रोडक्शन में दिक्कत आ रही थी, और मैंने सहज रूप से एक अनोखा, त्वरित समाधान निकाला। टीम ने मज़ाक में कहा कि मैंने वास्तविक जीवन में तेनाली की नकल करना शुरू कर दिया है!

कृष्णा भारद्वाज ने कहा,तेनाली राम को चित्रित करना एक बहुत बड़ा सम्मान है, लेकिन यह चुनौतियों के साथ आता है। सबसे कठिन हिस्सा ऐतिहासिक सार के प्रति सच्चे रहते हुए उनकी बुद्धिमत्ता और हास्य को संतुलित करना रहा है। उन्हें आज के दर्शकों के लिए प्रासंगिक बनाना और ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्ति की विरासत का सम्मान करना एक महीन रेखा है। चुनौती मुझे एक अभिनेता के रूप में अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है।

'रामायण : द लीजेंड ऑफ प्रिंस रामा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

गीक पिक्चर्स इंडिया की फिल्म रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस रामा का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर में शानदार विजुअल्स और भव्य युद्ध दृश्यों को दिखाया गया है, जो दर्शकों को अयोध्या, जहां प्रिंस राम का जन्म हुआ; मिथिला, जहां उन्होंने सीता से विवाह किया, पंचवटी का जंगल, जहां राम ने सीता और लक्ष्मण के साथ वनवास बिताया; और लंका, जहां भगवान राम और रावण के बीच ऐतिहासिक युद्ध हुआ, इन सभी स्थानों में ले जाता है। यह सब कुछ खूबसूरती से जापानी एनीमे स्टाइल में पेश किया गया है। युगो साको की सोच और कोइची सासाकी और राम मोहन के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक खास भारत-जापान का मिलाजुला प्रोजेक्ट है, जिसमें 450 से ज्यादा आर्टिस्ट्स ने करीब 1,00,000 हाथ से बने सेल्स का इस्तेमाल

किया है।

गीक पिक्चर्स इंडिया के सीईओ मोक्ष मोदगिल ने एक बयान में कहा, यह फिल्म अब तक की सबसे बेहतरीन कहानियों में से एक को सम्मानित करती है। भारत में हममें से बहुतों के लिए, ये फिल्म हमारे बचपन का एक खास हिस्सा रही है, और अब इसे सिनेमाघरों में रिलीज़ करना हमारे लिए पसंदीदा फिल्म का फिर से जिंदा होना है। मैं नई पीढ़ी के लिए बहुत खुश हूँ, की वे 24 जनवरी को अपने परिवार और बच्चों के साथ इस फिल्म का अनुभव करें। फिल्म के निर्माता अर्जुन अग्रवाल ने कहा, रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस रामा सिर्फ एक फिल्म नहीं है, ये हमारी भारतीय धरोहर का जश्न है। बचपन में इस फिल्म को देखते हुए, इसने मुझे कहानी सुनाने और भारतीय संस्कृति से प्यार करने की प्रेरणा दी। आज, मुझे इसके रीमेक का हिस्सा बनने पर गर्व महसूस हो रहा है। ये फिल्म उम्र, जगह और पीढ़ियों से परे है, और मैं इंतजार नहीं कर सकता कि दर्शक सिनेमाघरों में इसका जादू फिर से देखें। वी. विजयेंद्र प्रसाद ने कहा, रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस रामा वो कहानी है जो अलग-अलग संस्कृतियों और देशों में गूंजती है, क्योंकि ये शाश्वत मूल्यों धर्म, साहस और प्यार - को दिखाती है। वाल्मीकि की रामायण से लेकर तुलसीदास के रामचरितमानस और कंबन के रामावतारम तक, इस कहानी ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। आज की पीढ़ी के लिए इस महान फिल्म को फिर से लाना मेरे लिए गर्व की बात है, जो इसे पहले कभी नहीं देख पाए। रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस रामा ट्रेलर पहली बार 4के में 24 जनवरी को भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसे गीक पिक्चर्स इंडिया, एए फिल्म्स और एक्सेल एंटरटेनमेंट के जरिए थिएट्रिकली डिस्ट्रीब्यूट किया जाएगा।

प्रचार

पटपड़गंज निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रविंदर सिंह नेगी शुक्रवार, को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले अपने विधानसभा क्षेत्र में डोर-टू-डोर अभियान के दौरान।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शनिवार | 11-01-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दुःख भोगता है। सुख- दुःख का कर्त्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

उद्धव एवं रुक्मणी विवाह प्रसंग सुनकर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के अन्ना नगर स्थित एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन में अनुपम ज्वेलर्स के अग्रवाल बंधुओं द्वारा अपने स्वर्गीय माता-पिता प्रहलाद राय अग्रवाल एवं माता शांति देवी अग्रवाल की पुण्यस्मृति में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन व्यासाचार्य कमल सूंठवाल ने उद्धव एवं रुक्मिणी विवाह की कथा सुनाते हुए कहा कि विवाह रूपी व्यवस्था मनुष्य के कामवासना को समाप्त करने हेतु बनाई गई है विवाह के माध्यम से गृहस्थ जीवन में संयमित रहते हुए प्रभु के नाम का संकीर्तन करते हुए जीवन यापन करना चाहिए।

उन्होंने कहा की पत्नी के लिए पति ही परमेश्वर है एवं पति के लिए पत्नी ही धर्म है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण एवं रुक्मणी का विवाह कोई साधारण विवाह नहीं था यह परमात्मा का विवाह था परमात्मा प्रेम से मिलता है। रुक्मणी मन से भगवान श्रीकृष्ण से प्रेम करती थी परंतु रुक्मणी का भाई रुक्मणी का विवाह जबरन शिशुपाल के साथ करना चाहता था। रुक्मणी कोई साधारण स्त्री नहीं थी वह तो साक्षात लक्ष्मी का अवतार थी। उन्हें जब पता चला कि उनका भाई उनका विवाह जबरन शिशुपाल से करना चाहता है तब रुक्मणी ने एक ब्राह्मण के माध्यम से परमात्मा श्री कृष्ण के पास संदेश भेजा जिसमें उन्होंने कहा कि मैं जन्म जन्मांतर से आपके श्री चरणों की दासी हूं आप मुझ पर कृपा कर मुझे अपने चरणों में आश्रय देने की कृपा करें। जब यह संदेश भगवान श्री कृष्ण को प्राप्त हुआ तो उन्होंने ब्राह्मण को सम्मान सहित विदाकर स्वयं कुंडलपुर के लिए निकल पड़े रुक्मिणी से विवाह करने।

इस अवसर पर कृष्ण एवं रुक्मणी के विवाह प्रसंग को झांकियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया कथावाचक के सुमधुर भजनों पर भक्त महिलाओं द्वारा नृत्य किया गया। कथा में चेन्नई के अनेक इलाकों से भक्तगण पधार कर भक्तिमय वातावरण में कथा का श्रवण किया। कथा आयोजक अग्रवाल परिवार के बाबूलाल केडिया, गिरिराज अग्रवाल, सीताराम गोयल, सीताराम झुनझुनवाला, प्रदीप जलान सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई केअरुम्बाक्कम स्थित द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित ओलंपियाड 2025, चेन्नई जिला स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट में बुधवार को एजी जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साहूकारपेट के कबड्डी खिलाड़ियों ने तीसरा स्थान हासिल किया है। उन्हें एक ट्रॉफी और 12,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। इस टीम को विद्यालय के शारीरिक शिक्षा शिक्षक सुरेश कुमार द्वारा प्रशिक्षित किया गया।स्कूल के सचिव दलजीत सिंह ढढा स्कूल समिति के सदस्यों और प्रधानाध्यापिका डॉ के जयश्री ने विजेताओं को बधाई दी है।

गुरु दर्शन के लिए अलसूर प्रतिनिधि मंडल हैदराबाद रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के वरिष्ठ सदस्य प्रकाशचंद नाहटा के नेतृत्व में उगमराज मुथा, धनपत राज तातेड, मनोज गादिया एवं तेजराज तातेड ट्रेन से हैदराबाद विराजित आचार्यश्री पार्श्वचंद्र के दर्शन और सेवा के लिए रवाना हुए। अलसूर संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने बताया कि प्रतिनिधि मंडल आचार्यश्री से आगामी फाल्गुनी चातुर्मास अलसूर संघ में करने और उन्हीं की शिष्या शशिप्रभाजी का 2025 का चातुर्मास लाभ अलसूर संघ को प्रदान करने का निवेदन करते हुए निवेदन पत्र भेंट करेगा।

प्रदर्शन

भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को दिल्ली में अशोक रोड से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के फिरोज शाह रोड स्थित आवास तक 'पूर्वांचल सम्मान मार्च' निकाला। यह विरोध प्रदर्शन केजरीवाल की पूर्वांचली निवासियों के बारे में कथित टिप्पणी के जवाब में किया गया।

द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय में मनाया गया पोंगल का त्योहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अरुम्बाक्कम में स्थित द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय में 10 जनवरी को कॉलेज प्रांगण में स्थित मंदिर में विधिवत गौ पूजा एवं अर्चना के साथ पोंगल त्योहार की शुरुआत हुई । इस अवसर पर मंदिर में स्थापित सभी देवी देवताओं का श्रृंगार किया गया। इसके पश्चात मंदिर के सामने ही पारंपरिक तरीके से पोंगल फ़ेस्ट का आयोजन किया गया। 15 से भी अधिक चूल्हों पर पारंपरिक तरीके से टीमों ने पोंगल बनाया। महाविद्यालय के सचिव अशोक कुमार मूँधड़ा एवं कॉलेज के प्राचार्य डॉ एस सन्तोष बाबू स्वयं सुबह से उपस्थित रहकर पूजा एवं पोंगल के कार्यक्रम को निर्देशित किए। पोंगल फ़ेस्ट के संयोजक डॉ पी मुरुगन ने अपनी टीम के साथ सभी प्रतिभागियों को सभी सामान

एवं लकड़ी आदि अन्य सारी चीज़ें मुहैया करवाई। 70 से अधिक टीमों ने विभिन्न तरीके से रंगोली बनाई जिसमें तीन विजेताओं को नगद राशि से पुरस्कृत भी किया गया।

इस वर्ष कॉलेज ने पारंपरिक तरीके से गाँव की झाँकी को प्रस्तुत करते हुए मॉडल गाँव प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। शहरी विद्यार्थियों को तमिल माटी से जोड़ने के लिए धान की रोपाई का भी आयोजन किया गया। आँखों पर पट्टी बांधकर मटकी फोड़ने से लेकर पारंपरिक नृत्य, लाठी का खेल और अनेक आयोजन किए गए और सभी विजेताओं को नगद राशि के द्वारा सम्मानित किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में बाहर से आए निर्णायकों का भी प्राचार्य ने सम्मान किया।

इस अवसर पर कॉलेज में काम करने वाले सभी सफाई कर्मचारियों, सुरक्षा गार्ड और जरूरतमन्द लोगों को सचिव और प्राचार्य के द्वारा पोंगल किट वितरित की गई जिसमें पोंगल त्योहार मनाने के सभी समान और गन्ना भी दिया गया।

प्राचार्य डॉ सन्तोष बाबू ने कहा की वैष्णव कॉलेज की यह परंपरा रही है की हम सभी त्योहारों को धूमधाम से मनाते हैं जिससे आने वाली पीढ़ी अपने संस्कारों से जुड़ी रहे। पोंगल तमिलनाडु का सबसे बड़ा त्योहार है और इसे हमे पारंपरिक तरीके से मनाना चाहिए। कॉलेज के सचिव अशोक कुमार मूंधड़ा ने भी सभी को पोंगल पर्व की शुभकामनाएं दी।

उन्होंने इतने अच्छे आयोजन के लिए सभी को बधाई दी और सभी विजेताओं को पुरस्कृत भी किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक पी मुरुगन और उनकी टीम, डॉ उमापति, एवं अन्य शिक्षकों और विद्यार्थियों का सहयोग रहा।

पैलेस ग्राउंड पर दो दिवसीय 'अग्रवाल ट्रेड फेयर' का शुभारंभ आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पैलेस ग्राउंड ग्रांड कैंसल सभागार में अग्रवाल समाज कर्नाटक द्वारा दो दिवसीय अग्रवाल मेगा ट्रेड फेयर का आज शनिवार को शुभारंभ होगा। अध्यक्ष सुभाष बंसल ने बताया कि शनिवार सुबह 9 बजे इस मेगा ट्रेड फेयर का उद्घाटन केन्द्रीय बिक्रीकर जीएसटी के प्रधान मुख्य आयुक्त एवं आबकारी अधिकारी प्रमोदकुमार अग्रवाल, विशेष अतिथि पद्मश्री डॉ एच आर.नागेन्द्र गुरुजी व मुख्य सहयोगी गुरुपुनवानी कम्पनी के चेयरमैन संजयकुमार बैद करेंगे। इस ट्रेड फेयर में करीब 250 स्टॉल लगाए जाएंगे। अग्रवाल समाज की मुख्य, युवा संघ व महिला मंडल की टीम तैयारियों में जुटी है। सचिव सतीश गोयल ने बताया कि इस ट्रेड फेयर में मार्बल ग्रेनाइट, स्टील आयरन, सेनेटरीवेयर, कंप्यूटर, हार्डवेयर, गारमेंट्स, ज्वेलर्स, कपड़े, प्लास्टिक आदि उत्पादों के स्टॉल लगाए जा रहे हैं । कोषाध्यक्ष अंकित मोदी व युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया ने बताया कि इस मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम व मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया है।

कपड़ा उद्योग से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं ने दिल्ली में की सामूहिक चर्चा

बेंगलूरु के दिलीप जैन भी शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दि क्लाथिंग मेन्चुफेक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने नई दिल्ली में घरेलू परिधान क्षेत्र से जुड़े देश भी की विभिन्न संघ संस्थाओं की प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित किया जिसमें 'एक उद्योग-एक आवाज़' के तहत भारत सरकार को प्रस्तुत करने के लिए सिफारिशों का एक चार्टर तैयार किया गया। बैठक में परिधान व्यापार को बढ़ावा देने, जीएसटी दर, उद्योग के सतत विकास को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण उद्योग आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए उपस्थित व्यापारियों ने चर्चा की और एक सामूहिक मसौदा तैयार किया।

इस बैठक में बेंगलूरु के कर्नाटक होजरी एवं गारमेन्ट एसोसिएशन व कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन से जुड़े दिलीप जैन ने भी भाग लिया। इस बैठम में जयपुर, बेंगलूरु, लुधियाना,तिरुपुर, सूरत, मध्यप्रदेश, दिल्ली, मुम्बई, हैदराबाद, अहमदाबाद, कोलकाता, सोलापुर और भी अन्य शहरों से संघ संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

शांतिनगर महिला मण्डल की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ चयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महिला मंडल शांतिनगर की बैठक में मंडल की नई कार्यकारिणी का चयन किया गया। सर्वसम्मिति से उषा मुथा को मंडल का अध्यक्ष, आरती लुणावत को उपाध्यक्ष, वन्दना मरलेचा को मंत्री, अंजू मूथा को सहमंत्री व अंजू बेताला को कोषाध्यक्ष चुना गया। यह जानकारी शांतिनगर संघ छगनमल लुणावत ने दी।

नए साल में फैशन का नया खजाना लेकर आई हाई लाइफ प्रदर्शनी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। फैशन, स्टाइल, सजावट और लग्जरी के लिए मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी नए साल में फैशन का नया खजाना लेकर आई है। इसका आगाज शुक्रवार को यहां द ललित अशोक में हुआ, जहां रौनक छाई हुई है। आयोजकों ने बताया कि यह प्रदर्शनी 12 जनवरी तक जारी रहेगी। इसका समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक है। यहां आकर नए साल को यादगार बनाएं। हाई लाइफ प्रदर्शनी में ग्लैमर और फैशन की दुनिया में कदम रखें। जनवरी में शानदार डिजाइनर परिधान, आकर्षक आभूषण, सामान और भव्य घरेलू सजावट की प्रदर्शनी का आनंद लें। यह प्रदर्शनी ब्राइडल फैशन, स्टेटमेंट ज्वेलरी, डिजाइनर परिधान और घरेलू सजावट का शानदार सामान लेकर आई है। त्योहारी सीज़न के लिए बिल्कुल उपयुक्त, हाई लाइफ वह जगह है, जहां आप टॉप डिजाइनरों और यूनिक लेबल्स के प्रीमियम कलेक्शन ढूंढ़ सकते हैं।

आयोजकों ने बताया कि चाहे आप शादी की तैयारी कर रहे हों या अपने वार्डरोब और घर को नया रूप देना चाहते हों, हाई लाइफ प्रदर्शनी में आपके लिए सभी तरह की शानदार चीजें एक ही जगह पर उपलब्ध हैं।

यहां ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध हैं।

पुण्य का फल सुख एवं पाप का फल दुःख है : आचार्य अरिहंतसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पार्श्व सुशीलधाम में चल रहे उपधान तप के दौरान शुक्रवार को स्थानीय चंदापुर गुरुकुलम के छात्रों एवं शिक्षकों ने मंदिर व आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी के दर्शन किए व आशीर्वाद लिया।आचार्यश्री ने उन्हें जीवन में सत्कार्य की प्रेरणा देते हुए कहा कि पुण्य का फल सुख एवं पाप का फल दुःख है। दुःख से दूर रहना हो तो पाप कार्यों से दूर रहना जरूरी है।उपधान व्यवस्थापक कल्याण मित्र परिवार के सदस्य अशोक सेठ ने बच्चों को ज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से महावीर स्वामी के जीवन चरित्र को अवगत कराया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.